सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 342 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 25 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

हाथी-मानव द्वंद्व रोकेंगे एलिफैंट ट्रैकर

छत्तीसगढ़ में ही तैयार हो रहे हैं हाथी मित्र, तमिलनाडु से एक्सपर्ट बुलाने की झंझट खत्म

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हाथियों और इंसानों के बीच आए दिन संघर्ष होता रहता है। हाथियों से इंसानों को बचाने और इंसानों को हाथियों से दूर रहने की अब ट्रेनिंग दी जा रही है। पहले हाथी मित्रों को ट्रेनिंग देने के लिए तमिलनाडु से एक्सपर्ट बुलाए जाते थे। गौरतलब है कि हाथी पीढ़ी दर पीढ़ी एक ही रास्ते से होकर गुजरते हैं। आबादी बढ़ी, इंसानी बस्तियां बढ़ी, इसके बावजूद हाथियों ने अपने आने जाने के रास्ते नहीं बदले। छत्तीसगढ़ का बड़ा हिस्सा जंगलों से घिरा है। कोरबा से लेकर सरगुजा तक के जंगल में हाथियों की अच्छी खासी आबादी है। अक्सर हाथियों और इंसानों के बीच खूनी संघर्ष होता रहता है। जिसमें कभी इंसानों की जान जाती है तो कभी हाथियों की। पर अब हाथियों को बचाने और इंसानों से खूनी टकराव रोकने के लिए एलिफैंट ट्रैकर तैयार किए जा रहे हैं। एलिफैंट ट्रैकर खतरे से पहले ही हालात को भांप लेंगे।

हाथियों से बचाव और उनकी लोकेशन जानने के लिए हाथी ट्रैकरों को पहले तमिलनाडु से बुलाया जाता था। पर अब सरगुजा में गांव के ही हाथी मित्र दल के लोगों को ट्रेनिंग के जरिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। सेना के जवानों की तरह इनको ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेंड हाथी मित्र एक्सपर्ट की तरह हाथियों से होने वाले खतरे को समय रहते जान लेंगे। लोगों को सही समय पर बचाव के उपाए भी बताएंगे। इससे इंसानों और हाथियों के बीच का टकराव कम होगा।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ हाथियों के लिए सालों से सुरक्षित ठिकाना रहा है। सरगुजा के घने जंगल, कोरबा का हसदेव और कटघोरा दशकों से हाथियों का रिहायशी इलाका रहा है। यहां के जंगलों में पानी और खाना दोनों पर्याप्त मिलता है। आंकड़ों के मुताबिक करीब 300 से लेकर 330 हाथी छत्तीसगढ़ में मौजूद रहते हैं, इनमें सबसे अधिक सरगुजा फॉरेस्ट रेंज में 120 से 130 हाथियों का झुंड रहता है। हाथी अक्सर अलग-अलग फॉरेस्ट रेंज में आना-जाना करते रहते हैं। पड़ोसी राज्य झारखंड और मध्यप्रदेश में भी चले जाते हैं या फिर वहां से यहां आते रहते हैं।

300 हाथी मित्र तैयार

हाथी विशेषज्ञ एवं ट्रैनर प्रभात दुबे के मुताबिक, ट्रेनिंग के लिए गांव के युवाओं का चयन किया जाता है। सबसे पहले उनकी मेडिकल जांच होती है। वजन और हाइट देखी जाती है। इसके बाद उन्हें प्रशिक्षण देना शुरू किया जाता है। हाथी मित्रों को प्रशिक्षण तैमूर पिंगला के हाथी प्रशिक्षण केन्द्र के साथ जंगलों में दिया जाता है। ट्रेनिंग हासिल करने वाले युवाओं को जरुरत के मुताबिक काम मिलता है। उनको उचित वेतन भी दिया जाता है। छत्तीसगढ़ में अब तक 300 हाथी मित्रों को ट्रेंड किया गया है। ट्रेनिंग के बाद ये हाथी मित्र एलिफेंट ट्रैकर के तौर पर लोगों की मदद करेंगे।

गांवों में आने से रोकना जरूरी

एलिफेंट रिजर्व के सहायक संचालक निवास तन्नेटी बताते हैं कि हाथी मित्र दल के लोगों को प्रशिक्षित किया जाता है। बरसात के बाद फिर से ये प्रशिक्षण शुरू हो रहे हैं। जशपुर, बिलासपुर, और सरगुजा क्षेत्र में हाथियों की संख्या काफी अधिक है। ग्रामीणों को यह सिखाया जाता है कि वो कैसे हाथियों से बचाव करें। उनको जंगल से गांव आने से कैसे रोकें। कई बार हाथियों को जंगल की ओर भेजने की भी जरूरत पड़ती है ताकि सभी सुरक्षित रह सकें, इसके लिये हमारे यहां ट्रेनिंग दी जाती है। सरगुजा रेंज में सूरजपुर जिले में हाथी पुनर्वास केंद्र और प्रशिक्षण केन्द्र है। यहां इस केंद्र में हाथियों में प्रमुख रूप से कुमकी नर तीर्थराम, दुर्योधन और परशुराम, साथ ही मादा गंगा और योगलक्ष्मी को रखा गया है। इसके अलावा जशपुर वन प्रभाग से बचाए गए मादा बेबी एलिफेंट जगदंबा की देखभाल भी की जाती है।

सरगुजा संभाग सर्वाधिक प्रभावित

सरगुजा संभाग के कई जिले हाथी प्रभावित इलाकों में गिने जाते हैं। इन जिलों में अक्सर हाथियों और इंसानों की बीच आमना-सामना होता रहता है। कई बार शिकारी हाथियों की जान करंट से ले लेते हैं। अब हाथी ट्रैकर और हाथी मित्र के आने से इस तरह के संघर्षों को कम करने में वन विभाग को बड़ी मदद मिलेगी। वन विभाग पहले हाथी मित्रों को ट्रेनिंग देने के लिए तमिलनाडु से एक्सपर्ट बुलाया करता था। लेकिन अब सरगुजा में ही हाथी मित्रों को ट्रेनिंग देकर एक्सपर्ट बनाने की कोशिश की जा रही है।

हाथियों का मूड़ पहचानने की ट्रेनिंग

एलिफैंट एक्सपर्ट के मुताबिक, हाथी मित्रों को प्रशिक्षण देकर उनको हाथियों के साथ आचरण करना सिखाया जाता है। कौन सा हाथी किस मूड का होता है, हाथियों की पहचान कैसे की जाती है, हाथी के जंगल से गांव में आने के संकेत कैसे पहचाने जाते हैं, इन सबकी ट्रेनिंग दी जा रही है। अगर हाथी जंगल में है तो खुद को कैसे बचाना है, ऐसे तमाम विषयों पर हाथी ट्रैकर खुद ट्रेंड होकर गांव के लोगो को भी सचेत रखते हैं। अलग-अलग आयु के हाथियों का व्यवहार भी अलग होता है। युवा हाथी ज्यादातर हिंसक हो जाते हैं। वहां बच्चों वाली हाथिनी भी लोगों को देखकर आक्रामक हो जाती है।

खास-खबर

कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे सांसद की कार पर गिरी बिजली, बाल-बाल बचे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने की घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हुई है। मानसून के सीजन में तो इस तरह की घटना कम हुई है, लेकिन लौटता हुआ मानसून लोगों को डरा रहा है। हाल ही में राजनांदगांव में बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 5 स्कूली बच्चे भी शामिल थे। अब खबर आ रही है कि एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे छत्तीसगढ़ के एक भाजपा सांसद के वाहन पर बिजली गिरी है। इससे सांसद के पास बैठा एक व्यक्ति बुरी तरह झुलस गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारियों के मुताबिक, रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद राधेश्याम राठिया की कार पर आज बिजली गिर गई। हादसे में श्री राठिया बाल-बाल बचे। वे सरायपाली के अपेरा कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। बिजली गिरने से कार खराब हो गई। इस वजह से उन्होंने कार को कार्यक्रम स्थल पर ही छोड़ दिया। बताया जा रहा है कि बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति झुलस गया है। उसका इलाज नजदीकी अस्पताल में जारी है।

छत्तीसगढ़ के इन भागों में आज झमाझम बारिश के आसार

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय होने पर बारिश की गतिविधि में बढ़ोतरी होगी। आज बुधवार को प्रदेश में गरज चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना है। दक्षिण और उत्तर भागों में इसका खास असर देखने को मिल सकता है। बुधवार और गुरुवार को प्रदेश के अनेक जगहों पर भारी बारिश के आसार हैं। वहीं कई जगहों पर हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। बीते दिनों मंगलवार को प्रदेश के कई जगहों पर गरज चमक के साथ झमाझम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, 25 सितंबर यानी आज बुधवार को छत्तीसगढ़ में गरज चमक के साथ वज्रपात की गतिविधि जारी रहने की संभावना है। इसके बाद इन गतिविधियों में कमी होने की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि बुधवार को मध्य और उत्तर भागों में और गुरुवार को उत्तर छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना है। मानसूनी सिस्टम एक्टिव होने की वजह से प्रदेश में बारिश की तीव्रता में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

मौसम एक्सपर्ट के अनुसार, उत्तर आंध्रप्रदेश, दक्षिण ओडिशा तटों से सटे पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर एक निम्न दबाव क्षेत्र स्थित है। इससे जुड़ा चक्रवती परिसंचरण समुद्र तल से 7.6 किलोमीटर ऊपर तक स्थित है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है। इसके प्रभाव से प्रदेश के अधिकांश जगहों पर हल्की मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं एक दो जगह पर गरज चमक के साथ वज्रपात और भारी बारिश हो सकती है।

कल आएंगे भाजपाध्यक्ष नड्डा, मंत्री व सांसदों से करेंगे वन टू वन चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 26 सितंबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर पहुंच रहे हैं। बीजेपी के सदस्यता अभियान के बीच नड्डा का रायपुर दौरा अहम माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि जेपी नड्डा रायपुर में सीएम विष्णुदेव साय और मंत्रियों के साथ-साथ सांसदों से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा संगठन के बड़े नेताओं से भी जेपी नड्डा की मुलाकात होनी है। बता दें कि हाल के दिन में छत्तीसगढ़ में जमकर सियासी पारा गर्माया हुआ है। एक तरफ कांग्रेस लगातार सरकार को घेर रही है तो दूसरी तरफ बीजेपी भी काउंटर करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। ऐसे में नड्डा का यह छत्तीसगढ़ दौरा अहम है।

सरकार के कामकाज की समीक्षा

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार 9 महीने का कार्यकाल पूरा कर चुकी है। ऐसे में सरकार के कामकाज की समीक्षा और संगठन और सत्ता में समन्वय पर भी जोर दिया जाएगा, क्योंकि छत्तीसगढ़ में बीजेपी कई अभियानों पर एक साथ काम कर रही है। जेपी नड्डा और सीएम विष्णुदेव साय की भी मुलाकात होनी है, जहां सीएम साय सरकार के कामकाज को लेकर जानकारी देंगे और आगे की योजनाओं पर भी चर्चा करेंगे। इसके अलावा नड्डा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भी है, वे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लेंगे।

बता दें कि छत्तीसगढ़ में फिलहाल कवर्धा कांड को लेकर सियासी पारा गर्माया हुआ है। बीजेपी और कांग्रेस इस मुद्दे पर आमने-सामने नजर आ रहे हैं। ऐसे में नड्डा का दौरा होना बीजेपी के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

सत्ता-संगठन के नेताओं के साथ नड्डा की बैठक

दरअसल, जेपी नड्डा सत्ता और संगठन दोनों ही तरफ के नेताओं से मुलाकात करेंगे, जिसमें बीजेपी के सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा होगी। बताया जा रहा है कि सदस्यता अभियान को लेकर वह सबके साथ अलग-अलग वन टू वन मीटिंग करेंगे। जो नेता अपना टारगेट पूरा कर चुके हैं उनसे भी फीडबैक लिया जाएगा। इसके अलावा जिन नेताओं का टारगेट अब तक पूरा नहीं हुआ है, उनसे भी फीडबैक लिया जाएगा। नड्डा राज्य के सभी अलग-अलग इलाकों के जनप्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा राजधानी रायपुर में प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में स्थापित नवनिर्मित प्रतिमाओं के शुभारंभ भी होना है, जिनका शुभारंभ नड्डा करेंगे।

दिल्ली में 'युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध' अभियान शुरू

पर्यावरण मंत्री ने कहा-यह विंटर एक्शन प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सरकार ने विंटर एक्शन प्लान तैयार किया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा, 'एनसीआर के राज्यों में बढ़ने वाले प्रदूषण स्तर का प्रभाव दिल्ली पर पड़ता है। प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए केंद्र सरकार की भी जरूरत हमें पड़ती है।

उन्होंने आगे कहा कि जब सभी एजेंसियां और सरकारें मिलकर काम करेंगी, तभी प्रभावी तरीके से प्रदूषण से लड़ा जा सकता है। इसीलिए हमारी सरकार 'मिलकर चलें, प्रदूषण से लड़ें' थीम पर चलकर हमारी सरकार विंटर एक्शन प्लान पर काम करेगी। हमारे सामूहिक प्रयासों का परिणाम है कि दिल्ली में लगातार प्रदूषण का स्तर कम हो रहा है।

गोपाल राय ने बताया कि सर्दियों में प्रदूषण स्तर नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार आज से 'युद्ध प्रदूषण के विरुद्ध' अभियान शुरू कर रही है। इस साल अभियान का थीम होगा, मिलकर चलें, प्रदूषण से लड़ें।

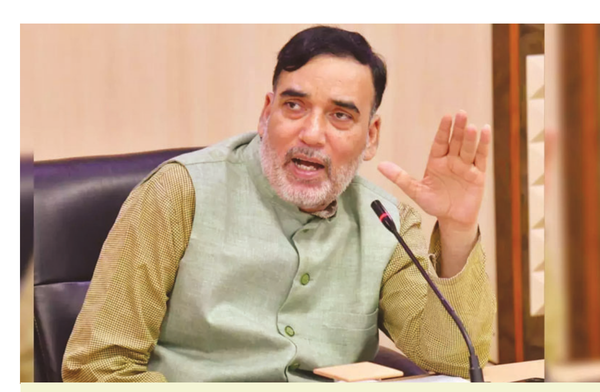

7 अक्टूबर से धूल विरोधी अभियान शुरू

गोपाल राय ने बताया, 'इस बार हमने 21 सूत्री विंटर एक्शन प्लान बनाया है जिसके आधार पर हम काम करना शुरू करेंगे। दिल्ली में पहली बार हॉट स्पॉट की ड्रोन से निगरानी कराने का फैसला लिया गया है। इससे प्रदूषण के कारण का वास्तविक समय में पता लगाया जा सकेगा। धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली में 7 अक्तूबर से धूल विरोधी अभियान शुरू होगा।

गोपाल राय ने कहा कि प्राइवेट और सरकारी सभी एजेंसियों के पास 7 अक्टूबर तक का समय है। अगर वे तब तक मापदंडों पर खरे नहीं उतरे तो उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो जाएगी। इसके लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। 500 मीटर से अधिक के सभी निर्माण स्थलों को पोर्टल पर पंजीकृत कराना होगा। 85 रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई जा रही हैं, 500 पानी छिड़कने वाली मशीनें भी इस्तेमाल की जा रही हैं। इस बार 200 मोबाइल एंटी-स्मॉग गन लॉन्च की जाएंगी।

ध्वनि प्रदूषण को खुशियां मानते हैं लोग

श्रीकंचनपथ

जिस तरह बर्थडे और एनिवर्सरी में केक काटने को स्वीकार्यता मिली हुई है उसी तरह विभिन्न आयोजनों में डीजे और पार्टियों में शराब को भी स्वीकार्यता मिली हुई है। पर केक काटने से किसी की सेहत को नुकसान नहीं होता। जिसे खाना है खाता है, जिसे नहीं खाना है चिमटी काट कर चख लेता है। कुछ लोग चखने से पहले इस बात की पुष्टि करते हैं कि केक वेज है या नॉन वेज। मूल रूप से तो केक में अंडा डलता ही है पर जुगाडू भारत ने केक का शुद्ध शाकाहारी संस्करण भी निकाल लिया है जिसका बिजनेस भी खूब फल-फूल रहा है। इसी तरह शराब भी लोगों की निजी सेहत का मामला है। शराब पीकर हंगामा करना अब भी अपराध है। शिकायत पर पुलिस पकड़ कर ले जाती है। बेइज्जती (अगर इज्जत बची हो) अलग से होती है। पर डीजे के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। इसका संबंध प्रदूषण से है। कदाचित, भारतीय जनमानस अभी शोर-शराबे को प्रदूषण मानता ही नहीं है। उसे लगता है, यह भी उसका अधिकार है। देश आजाद है। आप अपनी आजादी का भरपूर लुत्फ उठाइए। पर इस बात का ध्यान रखिए कि आपके मनोरंजन से दूसरों को तकलीफन हो। यही सभ्यता का भी तकाजा है। डीजे से मुट्ठी भर लोगों का मनोरंजन होता है - शेष आबादी प्रताड़ित ही होती है। जिसका फोन आता है वह उसे स्पीकर मोड पर डालकर डीजे से दूर जाने की कोशिश करता है। हाथ भर दूर खड़े आदमी से भी चीख कर बातें करनी पड़ती है। इसके बाद भी वह कुछ का कुछ सुनता और समझता है। जिनकी सेहत नाजुक है, वह और बिगड़ सकती है। शिशुओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए तो यह जहर के समान है। पर लोगों को अभी इसकी समझ नहीं है। एक वाकया साझा करना चाहूंगा। एक विवाह समारोह में शामिल होना था। हम बारात का हिस्सा थे। बारात में एक सात माह की गर्भवती भी थी। वह डीजे सिस्टम के एकदम करीब खड़ी थी। हमने इशारे में उसे समझाने की कोशिश की कि आपको यहां से दूर चले जाना चाहिए। उस दिन जो झगड़ा हुआ, आज तक बोलचाल बन्द है। लोग समझें न समझें, शासन प्रशासन इसे समझता है। इसलिए जब डीजे बंद कराने का आदेश हुआ तो 90 फीसदी लोगों ने राहत की सांस ली। पर गणेश विसर्जन के दौरान लोगों ने गली मोहल्लों में जी भर कर डीजे बजाया। डीजे को लेकर रायगढ़ में साउंड यूनियन ने प्रदर्शन किया। उन्होंने शर्त रखी है कि यदि डीजे बंद कराना है तो पहले शराब बंद करवाओ। काश! उन्होंने यह कहा होता कि डीजे के लिए नियम कानून बनाए जाएं। खुले मैदान में इसकी इजाजत दी जा सकती है। पर सड़कों और गली मोहल्लों में यह प्रतिबंधित रहे। वैसे डीजे यातायात कानून की भी कई धाराओं का उल्लंघन करते हैं। पूछा जा सकता है कि इतना शोर-शराबा क्यों चाहिए?

संपादकीय

शुद्धता की चिंता

उत्तर प्रदेश सरकार ने खान-पान की शुद्धता सुनिश्चित करने और बढ़ती मिलावटखोरी व बदनीयती को नियंत्रित करने के इरादे से इस कारोबार से जुड़ी दुकानों व संस्थाओं के लिए जो नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे स्वागत के योग्य हैं। इन दिशा-निर्देशों के मुताबिक, राज्य में खान-पान की दुकानों के बोर्ड पर न सिर्फ संचालक, मैनेजर को अपना नाम लिखना होगा, बल्कि होटलों, ढाबों और रेस्तरां में सीसीटीवी कैमरे भी लगाने होंगे और वहां काम करने वाले कर्मियों को मास्क पहनना होगा। सरकार ने संबंधित अधिकारियों को सूबे के सभी होटलों, ढाबों व रेस्तरां की नियमित जांच के आदेश दिए हैं। जाहिर है, स्वच्छता एक ऐसी अपेक्षा है, जिसके लिए शासकीय हस्तक्षेप की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी, मगर दुर्योग से हम इस मामले में एक लापरवाह समाज रहे हैं और मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्तियों ने इस लापरवाही को जानलेवा हद तक पहुंचाना शुरू कर दिया है। ऐसे में, राज्य सरकार के दिशा-निर्देश बिल्कुल मुनासिब हैं और ऐसी ही सजगता दूसरे राज्यों को भी दिखानी चाहिए। मगर विडंबना यह है कि ऐसे जरूरी कदम भी कई बार राजनीति से प्रेरित होकर उठाए जाते हैं या फिर उन्हें सियासी चश्मे से देखा जाता है।

> “ उत्तर प्रदेश सरकार ने यह कदम हाल ही में घटी कुछ ऐसी घटनाओं के मद्देनजर उठाया है, जिनमें खाने-पीने की चीजों में अखाद्य पदार्थों की मिलावट करते हुए वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुए थे और स्वाभाविक ही वे सामाजिक आक्रोश की वजह भी बने। फिर अभी चंद रोज पहले ही देश के सबसे प्रसिद्ध देवालयों में से एक तिरुपति बालाजी के प्रसाद में कथित रूप से पशु वसा की मिलावट की खबर ने पूरे देश को झकझोरकर रख दिया था। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को इससे गहरी चोट लगी है। धार्मिक शुचिता और आस्था से परे नागरिक हितों से भी जुड़ा यह एक गंभीर प्रश्न है कि हम जो खा-पी रहे हैं, वह कितना शुद्ध है और जो लोग इस पेशे से जुड़े हैं, वे कितनी ईमानदारी से लोगों के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं?

देश में उपभोक्ता-हितों की रक्षा के लिए कठोर कानूनों की कोई कमी नहीं, मगर जमीनी स्तर पर उनके लागू न हो सकने के कारण ही स्थितियां बिगड़ी हैं, बल्कि कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों का दुस्साहस भी बढ़ा है। बहरहाल, इस प्रशासनिक सक्रियता का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि ये दिशा-निर्देश गरीब खोमचे वालों की आजीविका ही संकट में डाल दें। उत्तर प्रदेश ही नहीं, समूचे देश में ऐसे बहुत सारे लोग हैं, जो अपने घर की रसोई में खाने-पीने की चीजें तैयार कर सड़कों पर बेचा करते हैं। खोमचे के पीछे या सीने पर वे अपने नाम की पट्टी टांग भी लें, तब भी उनकी रसोई सीसीटीवी कैमरे की शर्त कैसे पूरी करेगी? और उन्हें इन शर्तों से रियायत मिली, तो उनके खाद्य पदार्थों की शुद्धता व गुणवत्ता की गारंटी तय करने का तरीका क्या होगा? उत्तर प्रदेश सरकार की इस अच्छी पहल को एक व्यावहारिक तंत्र की आवश्यकता है, जो जन-स्वास्थ्य व जन-विश्वास को कायम रखे, ताकि बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र के लोगों के रोजगार का भी संरक्षण हो सके। निस्संदेह, भारत में आर्थिक समृद्धि के विस्तार के साथ बाहर खाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। पारंपरिक रूप से महिलाएं रसोई संभालती रही हैं, पर अब महिला कामगारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह प्रवृत्ति सामाजिक जरूरत बनती जाएगी। लिहाजा हमें ऐसी संस्कृति विकसित करनी ही होगी, जिसमें बाहर खाना खाते हुए किसी किस्म की आशंका न रहे।

वन नेशन-वन इलेक्शन ! आपत्ति और औचित्य?

अजय दीक्षित

15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि वे देश में लोकसभा और राज्यसभाओं के चुनाव एक साथ करवाएंगे! इससे श्रम शक्ति, मैन पावर और धन की बचत होगी। आचार संहिता लगने से काम नहीं रुकेंगे! बात सौ फीसदी ठीक है। 1952 से 1967 तक ऐसा ही होता था विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव एक साथ हुये थे। इसके बाद बीच में ही विधानसभाएं भंग होने के कारण, या गवर्नर रूल लगने के के कारण यह व्यवस्था बिगड़ गई। अब साल भर कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं! प्रश्न गंभीर है और इस पर व्यापक चर्चा की जरूरत है। केन्द्रीय सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति महामहिम कोविंद की अध्यक्षता में इस विषय पर विचारार्थ एक समिति बनाई थी। इसमें देश के जाने-माने आठ सदस्य थे। विख्यात विधि वेत्ता साल्वे भी थे। कांग्रेस के तब विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी भी थे। इस कमेटी ने कई हजार पेज की रिपोर्ट सौंपी है। अब रिपोर्ट पढ़कर ही पता चल सकता है कि इस मसले पर कितने हजार रिपोर्ट की जरूरत क्या थी। आज-कल तो रूलिंग पार्टी के शीर्षस्थ नेता जो बंद कमरे में तय कर लेते हैं उसे लागू कर देते हैं। पर इस देश में दिखावे का चलन है। विशेष उत्सवों पर वधू को, नवजात शिशु को, सम्मान दिए जाने वाले व्यक्ति को लिफाफे दिये जाते हैं। पहले आशीर्वाद दिया जाता था। खैर अब जब मोदी जी ने तय कर लिया है कि इस देश में एक साथ चुनाव होंगे तो इसका इम्प्लीमेंटेशन जरूर सन् 2029 के चुनाव से हो जायेगा।

यह भी कहा गया है कि इससे धन भी बचेगा। यह बात सौ फ़ीसदी ठीक है। परन्तु इस बार पहली सितम्बर को हिमाचल प्रदेश में वहां के कर्मचारियों को उनका वेतन क्यों नहीं मिला? क्योंकर मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों को अपने वेतन का त्याग करना पड़ा? अरविन्द केजरीवाल ने फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री बस में यात्रा, फ्री इलाज, फ्री एजुकेशन, फ्री तोहफा की जो प्रथा शुरू की थी, संक्रामक रोग की तरह सभी राज्यों में फैल चुकी है चाहे सरकार किसी भी पार्टी की हो। शुरू में प्रधानमंत्री मोदी जी ने इसे फ्री बी, या फ्री रेबड़ी कहा था। पर आज भाजपा भी उसी रास्ते पर है। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सभी महिलाओं को 1250/- महीने का जेब खर्च दिया और कहा कि यह भाई की ओर से बहन को नेग है। अब सरकारी खर्च से भाई बहन को रक्षाबंधन की गिफ्ट दे रहा है। अब कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, तेलुगु देशम आदि समेत सभी राज्यों ने भी इस प्रथा को चालू कर दिया। अब हरियाणा में भाजपा ने भी अपने घोषणा पत्र में ऐसी ही राशि सभी महिलाओं को देने का वादा किया है। अरविन्द केजरीवाल ने कहा था कि वह विकास के कार्यों में बचत कर यह राशि बांट रहे हैं। अरविन्द केजरीवाल का कहना है कि वह रिजर्व बैंक से उधार लेकर यह नहीं बांट रहा है। अब असलियत क्या है, यह तो केन्द्र सरकार ही स्पष्ट कर रही है।

अब कोई भी पार्टी हो, भाजपा समेत सभी तरह-तरह के फ्री वीज़ बांट रहे हैं फ्री बिजली, फ्री बस यात्रा, फ्री गिफ्ट लड़कियों को फ्री स्कूटी, फ्री शिक्षा, सब कुछ फ्री है। इन सब राज्यों पर रिजर्व बैंक का कई लाख करोड़ का कर्ज है। कुछ बातें फ्री ठीक हैं जैसे फ्री एजुकेशन, गांव से लड़कियों को शहर में पढ़ने आने पर फ्री बस आदि। अभी यदि देश एक चुनाव का नारा पैसे बचाने का है तो और भी कई कदम उठाने होंगे। सांसदों औ रविधायकों की पेंशन बंद की जाना चाहिए। उनकी परिवार सहित फ्री यात्रा, फ्री हवाई सफर बंद होना चाहिये। उद्घाटन समारोह बन्द होने चाहिए। जब प्रधानमंत्री कोई उद्घाटन करते हैं तो साज सजावट और उनकी सुरक्षा पर कई करोड़ खर्च हो जाते हैं। आखिर अफसर की कुर्सी के पीछे तौलिया का क्या औचित्य है। अब तो पसीना आता ही नहीं, एसी.चलता है। अनेक मामले हैं जहां टैक्स पेयर का पैसा बर्बाद हो रहा है। इतने बड़े सेक्रेटीएट की क्या जरूरत है। मंत्रियों की जिलों की यात्रा पर होने वाला टीए, डीए का क्या औचित्य है। असल में भारत में खर्च का ऑडिट जरूरी है।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

ऑस्कर की दौड़ में शामिल हो गई हमारी लापता लेडीज

विश्व के सर्वाधिक प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कार ऑस्कर में इस बार लापता लेडीज भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने जैसे ही इसे भारत की ओर से आधिकारिक रूप से ऑस्कर में भेजने की घोषणा की, तो बहुत से सिने प्रेमियों ने इस पर प्रसन्नता दिखाई, पर एक बड़ा वर्ग इसका विरोध भी कर रहा है।

प्रदीप सरदाना,
फिल्म समीक्षक

हालांकि, सभी का मानना है कि लापता लेडीज एक अच्छी फिल्म है, मगर फेडरेशन ने जिन 29 भारतीय फिल्मों में से इसका चयन किया है, उसमें इससे भी अच्छी कई फिल्में थीं। वैसे, भारत की ओर से ऑस्कर के लिए भेजी जाने वाली फिल्मों के चयन पर अक्सर उंगलियां उठती रही हैं।

ऐसे विरोध को तब और बल मिल जाता है, जब भारत से भेजी फिल्म ऑस्कर जीतना तो दूर, वहां नामांकित तक नहीं होती है, जबकि विश्व सिनेमा के अन्य मंचों पर भारतीय सिनेमा की धाक बरसों से रही है। विश्व में सर्वाधिक फिल्म बनाने वाले भारत का ऑस्कर प्रतियोगिता में पिछड़ना निश्चय ही दुखद है। अब यह ऑस्कर में गलत फिल्म भेजने के कारण हो रहा है या प्रतियोगिता में अन्य देशों की फिल्में भारतीय फिल्मों से बेहतर होती हैं, यह गहन अध्ययन का विषय है। इतना जरूर है कि भारत में अच्छी फिल्मों और अच्छे फिल्मकारों की कमी नहीं है, कमी उनके आकलन में है।

अब विश्व भर में किसी भी फिल्मी हस्ती का मूल्यांकन ऑस्कर से होता है, इसलिए बड़ी से बड़ी हस्ती ऑस्कर पाने का सपना देखती है। भारत का भी ऑस्कर फिल्म समारोह से पुराना नाता है। इसने पहली बार 1957 में मदर इंडिया भेजकर ऑस्कर के 30वें समारोह की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। भारत का इतने बरसों बाद ऑस्कर में भाग लेने का कारण यह था कि इससे पहले ऑस्कर में 'सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा' की श्रेणी नहीं थी। तब से अब तक भारत ऑस्कर प्रतियोगिता के लिए अपनी 57 फिल्में भेज चुका है, पर एक बार भी किसी भारतीय फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार नहीं मिला है। यहां तक कि इस पुरस्कार के लिए भारत को नामांकन भी सिर्फ तीन फिल्मों के लिए ही मिल सका है। महबूब खान की मदर इंडिया, मीरा नायर की सलाम बॉम्बे (1988) और आशुतोष गोवारिकर-आमिर खान की लगान (2001)। फिल्म लगान के इस नामांकन के लिए भी आमिर और आशुतोष करीब दो महीने अमेरिका में रहकर जूरी के सदस्यों को अपनी फिल्म दिखाने के लिए पुरजोर गुजारिश करते रहे थे।

अभी तक जिन भारतीयों को ऑस्कर मिलने का सौभाग्य मिला है, उनमें सत्यजित राय अकेले ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी फिल्मों को तो कोई ऑस्कर नहीं मिला, पर 1992 में उन्हें 'जीवन पर्यंत उपलब्धियों' के लिए ऑस्कर दिया गया। इनसे पहले सन् 1983 में रिचर्ड एटनबरो की गांधी में सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा के लिए भानु अथैया को ऑस्कर मिला। ऑस्कर में भारत को एक बड़ी सफलता 2009 में तब मिली, जब स्लमडॉग मिलेनियर के गीत, संगीत और ध्वनि श्रेणियों में तीन भारतीय-गुलजार, ए आर रहमान और रसूल पुकुट्टी को ऑस्कर मिलने पर भारत की 'जय हो' हो गई। फिर 2023 के ऑस्कर में भारत को दो ऑस्कर और मिले। एक सर्वश्रेष्ठ वृत चित्र द एलिफेंट व्हिसपर्स को। दूसरा, आरआरआर के गीत नाटू नाटू के लिए चंद्रबेस और एमएम किरवानी को। यह बड़ी सफलता इसलिए थी कि पहली बार किसी भारतीय मूल की फिल्म के लिए ये ऑस्कर मिले।

खैर, लापता लेडीज की बात करें, तो यह आमिर खान-किरण राव द्वारा निर्मित बढ़िया फिल्म है। इसका निर्देशन किरण राव ने किया है। फिल्म की बड़ी विशेषता इसकी लीक से हटकर बिप्लव गोस्वामी की टू ब्राइड्स कहानी है। इसमें दो नव विवाहित दुल्हन ससुराल जाते हुए रेल में अदल-बदल जाती हैं। इस कहानी के माध्यम से फिल्म में महिलाओं की समस्याओं और सपनों तक बहुत कुछ, बहुत अच्छे से दिखाया गया है। फिल्म जहां बेटी पढ़ाओ और महिला सशक्तीकरण का संदेश देती है। वहां राजनीति, पुलिस थाने, किसानों की समस्या, ग्रामीण परिवेश और विभिन्न रीति रिवाज के साथ यह भी दिखाती है कि अक्सर जो जैसा दिखता है, वैसा होता नहीं। फिल्म का निर्देशन, कलाकारों के अभिनय व संगीत सभी अच्छे हैं। लापता लेडीज को भी कम आंकना सही नहीं होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पं. दीनदयाल के चिंतन के अनुरूप महिला सशक्तीकरण के लक्ष्य-पथ पर भाजपा

अनिल पुरोहित

श्रद्धेय पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती की पुनीत बेला पर आज हम सब उनके मौलिक चिंतन की जब व्यापक रूप से चर्चा करेंगे, तब सशक्त नारी की भूमिका को लेकर पं. दीनदयाल जी के चिंतन की अनदेखी नहीं कर सकते। भारतीय चिंतन-परम्परा में मातृ-शक्ति की वंदना 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' कहकर की जाती है। पं. दीनदयाल जी का समूचा चिंतन सनातन भारतीय संस्कृति का उद्घोष करता है जिसमें नारी को उसकी समग्र सत्ता के परिप्रेक्ष्य में हर क्षेत्र में आगे आने के अवसर उपलब्ध कराने की प्रेरणा सन्निहित है। इस दृष्टि से हम भारत की समूची सनातन-परम्परा में नारी को उसकी विविध भूमिकाओं में अपनी स्वतंत्र सत्ता के साथ सहज ही स्वीकार करते हैं। आज नारी स्वतंत्रता के नाम पर पाश्चात्य संस्कृति ने इस देश की मातृ-शक्ति को अपनी उन गौरवशाली परम्पराओं से विमुख करने का जो षड्यंत्र चलाया है, उसका दुष्परिणाम अनेक रूपों में हमारे सामने है। भारतीय समाज जीवन की रचना में मातृ-शक्ति की महती भूमिका को एकमत से स्वीकार किया गया है तो यह स्वीकृति मातृ-शक्ति की सामाजिक, पारिवारिक, राजनीतिक, आर्थिक, संस्कृति आदि क्षेत्रों में नारी के योगदान की ही रही है। इस सत्य को स्वीकार तो सब करते हैं, लेकिन जब उनके योगदान के दृष्टिगत उन्हें सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों में सशक्त नेतृत्व के लिए प्रेरित करने की बात आती है तो दोहरे मानदंड नजर आते हैं। संसद और विधानमंडलों में महिला आरक्षण के विधेयक को लेकर उन तमाम राजनीतिक दलों के चेहरे बार-बार बेनकाब होते रहे, जो इस विधेयक के नाम पर सबसे ज्यादा ढोल पीटते रहे हैं। भारतीय राजनीति में आज भी महिलाओं की भूमिका को दोयम दर्जे में रखने के षड्यंत्र को तोड़ने में भारतीय जनता पार्टी ने जो क्रांतिकारी पहल की है, वह वस्तुत: पं. दीनदयाल जी के चिंतन से उद्भूत प्रेरणा का ही सुपरिणाम है।

पं. दीनदयाल जी का यह स्पष्ट मत था कि भारतीय राजनीति में पुरुषों की भांति महिलाओं को भी महत्त्व दिया जाना चाहिए। देश की रचना में उनका भी महयोग मिलना चाहिए। भारतीय जनसंघ के संस्थापक पं. दीनदयाल जी परिवार के लिए परिवार प्रमुख के कन्धे से कन्धा लगाकर कष्ट उठाने की भारतीय महिलाओं की परम्परा का सम्मान करते थे। पं. दीनदयाल जी का मत था कि राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वालों ने महिलाओं, उनकी समस्याओं तथा उनकी शक्ति का विचार नहीं किया तो वह समाज के आधे भाग की उपेक्षा करने जैसा होगा। नए भारत की रचना में ऐसी उपेक्षा कदापि नहीं की जा सकती। अत: उन्होंने जनसंघ का महिला मोर्चा स्थापित करने की ओर ध्यान दिया। जनसंघ के केवल रचनात्मक कार्यक्रमों में ही नहीं, अपितु आंदोलनात्मक कार्यक्रमों में भी महिला मोर्चे का सहभाग बहुत बड़ा रहा है। इसलिए पं. दीनदयाल जी के प्रयासों से महिलाओं के लिए भी अलग से कार्य करने के विचार से जनसंघ ने अपना महिला मोर्चा प्रारम्भ किया। जनसंघ के महिला मोर्चा ने अल्प समय में ही अपने प्रखर वैचारिक और राजनीतिक दृष्टिकोण के चलते भारतीय राजनीति में प्रभावी भूमिका से अपनी विशिष्ट पहचान बना ली थी।

पं. दीनदयाल जी के इसी चिंतन से प्रेरित होकर भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य सरकारों ने समय-समय पर महिलाओं के सर्वतोमुखी सशक्तीकरण के नित-नए आयाम स्थापित किए हैं। भाजपा का महिला मोर्चा आज भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में अपनी जिस विशिष्ट पहचान के साथ काम कर रहा है, उसमें संगठन-शिल्पियों के मार्गदर्शन के साथ ही केंद्र व राज्यों की भाजपा सरकारों की भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती। भाजपा ने महिलाओं को केवल राजनीतिक वोट-बैंक नहीं माना, अपितु महिलाओं के सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक आदि क्षेत्रों में सशक्तीकरण के प्रयास करके पं. दीनदयाल जी की चिंतन-धारा को धरातल पर साकार भी किया। महिलाओं को सशक्त बनाना, समाज को सशक्त बनाना है, और इस प्रकार अपने समुदाय में वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने के मिशन के साथ भाजपा काम कर रही है। पं. दीनदयाल जी के विचारों के अनुरूप महिला सशक्तीकरण के लिए अनेक पहलुओं पर काम किए जा रहे हैं। वित्तीय उद्यम की तलाश कर रही महिलाओं को आवश्यक समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करना, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और कन्या भ्रूण हत्या रोकना भाजपा के इन्हीं प्रयासों के आयाम हैं। भाजपा ने घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को कानूनी और मनोवैज्ञानिक सहायता मुहैया कराने पर भी ध्यान दिया है और इसके लिए महिला साक्षरता को बढ़ावा देकर राष्ट्र को साक्षर और प्रगतिशील बनाने पर बल दिया गया है। इसी प्रकार महिला स्वास्थ्य एक उपेक्षित क्षेत्र रहा है, और महिला स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर जागरुकता फैलाने पर भाजपा सरकार ध्यान दे रही है। जो महिलाएँ स्वतंत्र रूप से काम करना चाहती हैं, उनके लिए नि:शुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। महिला उद्यमियों के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से, विभिन्न सरकारी सहायता के बारे में जागरुकता पैदा करके त्वरक और हैंडहोल्डिंग कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। महिलाओं को उद्यमिता में प्रोत्साहित करने से अंतत: देश की अर्थव्यवस्था को तो मजबूती मिलती ही है, साथ-साथ महिलाओं के लिए अधिक नौकरियाँ विकसित होती हैं। यह इतना बड़ा बदलाव इसलिए है कि जिन पं. दीनदयील जी की जयंती हम आज मना रहे हैं, उनकी सोच को केंद्र के स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा की सरकारों ने जमीनी स्तर पर लागू किया। महिला सशक्तीकरण पं. दीनदयाल जी की सोच थी। सामाजिक क्रांति, अंत्योदय तब तक नहीं आएगा जब तक माताओं-बहनों पर ध्यान नहीं जाता है। शुरुआत हुई 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' से, और आज नारी शक्ति ने हर क्षेत्र में अद्भुत प्रदर्शन किया है। आज देश की नारी लड़ाकू पायलट है, सेना में उनकी भर्ती हो रही है। जब चंद्रयान-3 जाता है तो महिलाओं का ध्यान आता है कि रॉकेट वूमेन है वहां पर। तीन दशक से एक बड़ी पीड़ा थी, कई बार प्रयास हुए पर वह सफल नहीं हो सके और वह प्रयास थे कि नीति निर्धारण में, देश और राज्य का भविष्य निर्माण करने में, महिलाओं की भागीदारी कैसे बढ़ेगी? कैसे लोकसभा और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व मिले? आज यह हकीकत है। 20-21 सितंबर 2023 को लोकसभा और राज्यसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ, यह जमीनी हकीकत बना। आने वाले समय, नजदीक भविष्य में भारत की लोकसभा और हर विधानसभा में नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व होगा क्योंकि एक तिहाई सीटें तो उनके लिए आरक्षित होंगीं, इसके अलावा अनारक्षित सीटों पर भी वह चुनाव लड़ सकती हैं। इसका आधार पं. दीनदयाल जी की सोच और उनका दर्शन ही है।

पं. दीनदयाल जी के चिंतन के अनुरूप छत्तीसगढ़ में सशक्त, समृद्ध, सम्पन्न नारी के लिए भाजपा ने काफी काम किए। भाजपा के पिछले 15 वर्ष के शासनकाल में मातृ मृत्यु दर आधी हुई। आयुष्मती योजना के तहत पीएचसी, जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती होने वाली महिलाओं को बुनियादी जरूरतों के लिए एक हजार रुपए तक नकद दिया जाता था। स्नातक स्तर तक बालिकाओं की शिक्षा भाजपा सरकार में नि:शुल्क कर दी गई। 2018 से 2023 तक प्रदेश की सत्ता में नहीं रहते हुए भी भाजपा ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 2023 तक छत्तीसगढ़ में 35 लाख से ज्यादा एलपीजी कनेक्शन जारी किये गए। मिशन इंद्रधनुष 2.0 के अंतर्गत, छत्तीसगढ़ में महिलाओं एवं बच्चों के लिए टारगेट के क्रमश: 103 प्रतिशत और 104 प्रतिशत का टीकाकरण कवरेज हासिल किया है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण) के तहत छत्तीसगढ़ में अगस्त 200 तक 2,07,369 गर्भवती महिलाओं और 1,22,806 स्तनपान कराने वाली माताओं को लाभान्वित किया गया। सन् 2023 के विधानसभा चुनावों में प्रदेश की मातृ-शक्ति ने एक बार फिर भाजपा के प्रति अपना अगाध विश्वास व्यक्त किया और उसका सुपरिणाम यह है कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने 'महतारी वन्दन योजना' की शुरुआत कर आज प्रदेश की 70 लाख विवाहित महिलाओं को सात माह से लगातार 12 हजार रुपए की वार्षिक (प्रतिमाह 1 हजार रुपए) वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। गरीब परिवारों की महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार आवश्यक पहल कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के पं. दीनदयाल जी के विचार से प्रेरित प्रदेश की भाजपा सरकार महिला स्व-सहायता समूहों को 5 लाख रुपए तक का ऋण न्यूनतम ब्याज दर पर प्रदान करने जा रही है और इन समूहों से शासकीय अधिग्रहण को प्राथमिकता दी जाएगी। इसी प्रकार रोजगार से जोड़ने के लिए प्रदेश में रेडी-टू-ईट योजना की जिम्मेदारी फिर से महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त इन महिलाओं को सांत्वना राशि भी दी जाएगी। प्रदेश में महिलाओं के नाम पर कराए जा रहे भूमि रजिस्ट्रेशन शुल्क को 50 प्रतिशत कम करने का संकल्प पं. दीनदयाल जी की उसी सोच को साकार करता है, जो परिवार के लिए परिवार प्रमुख के कन्धे से कन्धा लगाकर कष्ट उठाने की भारतीय महिलाओं के प्रति सम्मान में निहित है। छत्तीसगढ़ में छात्राओं को स्नातकोत्तर तक मुफ़्त शिक्षा प्रदान करके भाजपा सरकार महिलाओं के शैक्षिक उत्थान के तमाम अवसरों के द्वार खोल रही है। महिलाओं के सशक्तीकरण के साथ-साथ उनके आत्म-सम्मान, उनकी अस्मिता की रक्षा, हर तरह की हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर जिले में महिला (पिंक) थानों की स्थापना पर भी काम होने जा रहा है।

(ये लेखक के विचार हैं)

पांच नवंबर को जाहिर होगा

शुरुआत से ही बहस उन मुद्दों पर मुड़ गई, जिन पर अमेरिकी मतदाताओं के बीच गहरा विभाजन है। हैरिस ने खुद को प्रगतिशील उम्मीदवार के रूप में पेश किया। ट्रंप ने अपने समर्थकों को यह बताया कि वे नहीं जीते, तो अमेरिका का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दोनों प्रमुख उम्मीदवारों की बहस में कौन जीता, इस बारे में राय बंटी हुई है। लिबरल मीडिया पर नजर डालें, तो वहां इस पर लेकर शक नहीं है कि कमला हैरिस भारी पड़ीं। लेकिन कंजरवेटिव खेमे में उलटी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। दोनों उम्मीदवारों ने बहस के लिए वे मुद्दे उठाए, जिन पर मतदाताओं के ध्रुवीकरण से उन्होंने उम्मीद जोड़ी हुई है। मसलन, हैरिस ने गर्भपात के अधिकार पर जोर दिया, तो ट्रंप ने गैर-कानूनी आव्रजकों से अमेरिका के लोगों को पैदा हुए कथित खतरों का जिक्र किया।

फैक्ट चेकर्स ने ट्रंप के कई दावों को गलत साबित किया, लेकिन कंजरवेटिव खेमे में इससे उलटी प्रतिक्रिया हुई। वहां यह शिकायत देखी गई कि फैक्ट चेकर्स ने हैरिस के प्रति पक्षपात किया। उनके कथित गलत दावों की पोल उन्होंने लगे हाथ नहीं खोली। एक ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल में यही सबसे बड़ी मुश्किल होती है। उसमें हर मुद्दे पर प्रतिक्रिया बंटी हुई होती है। इसलिए यह कहना मुश्किल है कि ट्रंप अपने दावों और आक्रामक अंदाज से अपने समर्थकों के ध्रुवीकरण को किस हद तक मजबूत करने में सफल हुए।

कमला हैरिस और डॉनल्ड ट्रंप इस बहस से पहले यह कभी नहीं मिले थे। तो बहस शुरू होने से पहले हैरिस ट्रंप के पास गईं और मिलाने के लिए अपना हाथ बढ़ाया। विश्लेषकों के मुताबिक इस कदम के साथ ही हैरिस ने बहस में बढ़त हासिल कर ली, क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप उनके रंग, नस्ल और लिंग को लेकर तीखी और कड़वी टिप्पणियां करते रहे हैं। शुरुआत से ही बहस उन मुद्दों पर मुड़ गई, जिन पर अमेरिकी मतदाताओं के बीच गहरा विभाजन है।

हैरिस ने बहस के दौरान खुद को भविष्य की ओर देखने वाली एक प्रगतिशील उम्मीदवार के रूप में पेश किया। ट्रंप ने अपने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे को उठाया और अपने समर्थकों को यह बताया कि वे नहीं जीते, तो महाशक्ति के रूप अमेरिका का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। कुल मिलाकर दोनों उम्मीदवार अपनी ताकत पर खेले। इसका क्या असर हुआ, यह पांच नवंबर को ही जाहिर होगा।

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

खास खबर

महमरा के विद्यार्थियों ने मनाया ओजोन परत संरक्षण दिवस

दुर्ग। शा.पूर्व माध्यमिक शाला महमरा के विद्यार्थियों द्वारा ओजोन परत संरक्षण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएन सिन्हा इको क्लब संयोजक स्कूल शिक्षा विभाग रहे। इस अवसर पर शाला में गठित वसुंधरा इको क्लब के बच्चों द्वारा कविता, भाषण, नारा लेखन, चित्र, चार्ट एवं लघु नाटिका आदि की प्रस्तुति दी गई। श्री सिन्हा जी द्वारा बच्चों को ओजोन परत संरक्षण, पर्यावरण, संस्कृति संरक्षण आदि पर अनेक सुझाव दिए गए तथा आधुनिक उपकरणों के संयमित उपयोग पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल भिलाई से आए हुए एन.के पटेल द्वारा छात्र/छात्राओं को संबोधित किया गया। कार्यक्रम का संचालन उत्तम चंद गुप्ता प्र.पा.प्रा. शाला महमरा ने किया। शाला के शिक्षक राजेश चन्द्राकर श्रीमती अर्चना राजपूत एवं लोकेश्वरी साहू उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन प्रवीणा हाश्मी प्रधान पाठक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला महमरा द्वारा किया गया।

कलेक्टर ने आरटीई अंतर्गत प्रवेशार्थियों के प्रवेश सत्यापन शीघ्र करने डीईओ को दिये निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में अधिकारियों की बैठक में विभागवार समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से लंबित समय-सीमा प्रकरणों के निराकरण की जानकारी ली। साथ ही निराकृत प्रकरण को डिलीट करने फाइल प्रस्तुत करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री अन्य पत्र, कलेक्टर जनचौपाल, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजीएन के वेब एवं पोस्ट द्वारा प्राप्त शिकायत, सार्थ ई-पोर्टल एवं पीजी पोर्टल से संबंधित लंबित प्रकरणों के निराकरण में विभागों को प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं से संबंधित आवेदनों का समय-सीमा के अंदर निराकृत सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के संबंध में विगत वर्ष से बेहतर कार्य किया जाना है। जिन विभागों को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस हेतु ध्वज वितरण राशि एकत्र किये जाने की जिम्मेदारी दी गई है, ऐसे विभाग सैनिक कल्याण के इस कार्य को अभियान के रूप में संचालित कर संग्रहित राशि सैनिक कल्याण कार्यालय में जमा करायें। इसी प्रकार जिला रेडक्रॉस सोसायटी के संरक्षक एवं अधिक से अधिक सदस्य बनाने हेतु अभियान चलाकर स्वास्थ्य, उद्योग, श्रम एवं औद्योगिक सुरक्षा विभाग के अधिकारी आवश्यक पहल करें। कलेक्टर चौधरी ने जिले के विद्यालयों में नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 अंतर्गत गरीब वर्ग के छात्रों के प्रवेश का सत्यापन/जांच की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जिले के किसी भी स्कूल में मध्यान्ह भोजन पकाने में लकड़ी/कण्डे का उपयोग न हो। सभी स्कूलों में गैस सिलेण्डर उपयोग में लायी जाए। कलेक्टर ने जिले के सभी स्कूलों में गैस सिलेण्डर एवं चूल्हा की उपलब्धता सुनिश्चित करने खाद्य नियंत्रक को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि जिले के स्कूलों में अध्ययनरत् कोई भी विद्यार्थी जाति प्रमाण पत्र से वंचित न रहें। जिला शिक्षा अधिकारी संबंधित राजस्व अधिकारी के साथ समन्वय कर स्कूलों में केम्प/शिविर आदि के माध्यम से स्कूली बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनवाना सुनिश्चित करें।

यातायात नियमों का पालन ना करने वालों पर होगी कार्यवाही : कलेक्टर

आम नागरिक कर सकते हैं एम परिवहन ऐप के माध्यम से शिकायत

दुर्घटना से बचने दो पहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने सहित सड़क दुर्घटनाओं को रोकने प्रभावी उपाय करने को कहा। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग व अन्य सड़कों पर हुई दुर्घटनाओं की रोड, थाना तथा सड़कवार रिर्पोट्स की गहन समीक्षा की तथा चिन्हांकित ब्लैक स्पॉट्स पर सुधारात्मक कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले की सड़कों में यातायात सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए विभिन्न सुझावों पर विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये गये।

इसमें विशेष रूप से सड़कों से अवैध कब्जे हटाना, प्रकाश व्यवस्था, संकेतक, रोड मार्किंग व गति नियंत्रक बोर्ड लगाना आदि शामिल है। कलेक्टर ने जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में यातायात जागरूकता बढ़ाने तथा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने दुर्घटना से बचने के लिए दो पहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने जनवरी 2024 से सितम्बर 2024 तक सड़क दुर्घटनाओं की रोड, समय एवं वाहन वार समीक्षा की। उन्होंने लेफ्ट टर्न फ्री लगाने एवं डिवाईडर लगाने को कहा। यातायात नियमों की पूरी जानकारी नही होने के कारण लोग जहां तहां कही से भी टर्न हो जाते है जिसके कारण दुर्घटनाएं होती है। जिले से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग और राजकीय सड़कों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के सड़कों में होने वाले सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता लाने को कहा गया। उन्होंने आमजनों की जान-माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने पर बल दिया। सड़क दुर्घटना रोकने के लिए व्यापक प्रयास करने बल दिया।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला ने जिले के संभावित दुर्घटना क्षेत्रों को चिन्हांकित कर सड़क सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक इंतजाम करने को कहा, जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने सड़क दुर्घटना पर रोक लगाने हेतु राष्ट्रीय राजमार्गो को सहायक सड़कों से जोडने़ वाले पॉइंट पर गति अवरोधक रम्बल्ड स्ट्रिप बनाने को कहा।

इस हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को चिन्हांकित स्थानों में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने दुर्घटनाजन्य वाले स्थानों पर गति नियंत्रण के लिए जिगजैग, आवश्यक स्थानों पर साईन बोर्ड लगाने, रात्रि में अंधेरे की वजह से हो रही दुर्घटनाओं वाले स्थानों में प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित कराने पर जोर दिया।

डी.एस.पी. यातायात सतीश ठाकुर ने बताया कि जनवरी माह की अपेक्षा लगातार दुर्घटनाओं में कमी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार माह जनवरी 2024 से सितम्बर 2024 तक घटित मृत्युजन्य सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण किया गया, जिसमें सबसे अधिक बिना हेलमेट पहने वाहन चलाना एवं शराब का सेवन किया जाना पाया गया। उन्होंने यह भी बताया कि सड़कों पर ब्लैक स्पॉट्स को कम करने कोशिश लगातार जारी है। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग को नेहरू नगर, शिवनाथ नदी, नेवई ओवर ब्रिज में डिवाईडर का निर्माण कराने तथा समुचित प्रकाश व्यवस्था कराने, बारिश के कारण शिवनाथ नदी पुल के दोनों किनारे में एकत्रित रेती, गिट्टी, मिट्टी की सफाई करने और पुलगांव नाला पुल पर बने क्षतिग्रस्त क्रस बैरियर का मरम्मत करने को कहा। भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारी को नेहरू नगर ब्रिज से पंथी चौक तक रोड चौड़ीकरण कर डिवाईडर निर्माण एवं लाईट की व्यवस्था, सुपेला अंडर ब्रिह के पास गैरेज रोड में जे.पी. चौक के दोनों ओर 100-100 तक डिवाईडर एवं रोटरी निर्माण कराने, चाईना मार्केट को बोरिया गेट से अन्यत्र स्थानांतरित करने हेतु उपयुक्त जगह चिन्हांकित करने को कहा गया।

ट्रेफिक पुलिस के माध्यम से 'एम परिवहन ऐप' प्रारंभ किया गया है, जिसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। एप के माध्यम से यातायात नियमों का पालन ना करने वालो का फोटो/वीडियो शेयर किया जा सकता है। जिस पर पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। पुलिस अधीक्षक एवं डी.एस.पी. ने एम परिवहन एप को अधिक से अधिक डाउनलोड करने की अपील की है।

बैठक में एडीएम अरविंद एक्का, सहायक कलेक्टर एम.भार्गव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अश्वनी देवांगन, नगर निगम भिलाई के प्रभारी आयुक्त एवं अपर कलेक्टर बजरंग दुबे, नगर निगम रिसाली श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम दुर्ग लोकेश चंद्राकर, नगर निगम भिलाई चरौदा दशरथ राजपूत, संयुक्त कलेक्टर मुकेश रावटे, एसडीएम लवकेश ध्रुव, एसडीएम धमधा सोनल डेविड, आरटीओ अधिकारी एसएल लकड़ा सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सिन्टर प्लांट-2 में सफाई कार्यक्रम का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत, चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान के तहत 24 सितम्बर 2024 को सिन्टर प्लांट-2 विभाग के सिन्टर मशीन भवन परिसर में सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सफाई अभियान के प्रारंभ में मशीन क्षेत्र में स्वच्छता रैली निकाली गई। जिसमें विभाग के नियमित कर्मचारियों सहित ठेका श्रमिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस सफाई अभियान का नेतृत्व करते हुए सिंटर प्लांट्स के मुख्य महाप्रबंधक श्री अनुप कुमार दत्ता ने सभी कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और सफाई अभियान में भाग लेकर सामूहिक रूप से श्रमदान किया। इसके अतिरिक्त सफाई अभियान में सिंटर प्लांट-2 के महाप्रबंधक जागेंद्र कुमार, एमडी मजहर अनीस, राहुल बिजुर्कर, जयदेव दास, धीरज परिहार तथा उप प्रबंधक के जोतकुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों ने भाग लेकर सफाई अभियान को सफल बनाया। यह पहल स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता पर केंद्रित है तथा इस वर्ष के अभियान की थीम 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' पर आधारित है, जो कि दैनिक जीवन के समस्त पहलुओं में स्वच्छता प्रथाओं को बनाए रखने हेतु व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देती है।

दूरसंचार विभाग में सुरक्षा प्रोत्साहन सप्ताह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के दूरसंचार विभाग में सुरक्षा प्रोत्साहन सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक एस. के महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। यह कार्यक्रम महाप्रबंधक प्रकाश की अध्यक्षता में 'सुरक्षा झंडे का ध्वजारोहण' एवं 'दीप प्रज्वल्लित' कर दिनांक 18 सितम्बर 2024 को संपन्न हुआ।

विभागीय सुरक्षा अधिकारी एस. भट्टाचार्य ने अतिथियों समेत उपस्थितजनों को सुरक्षा शपथ दिलाई और विभागीय सुरक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत कियाद्य सहायक महाप्रबंधक संदीप यादव द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं की जानकरी दी गई। कार्यक्रम में क्विज, पोस्टर, स्लोगन, निबंध एवं कविता संबंधित प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी थीं तथा अग्निशामक यंत्रों के प्रदर्शन एवं प्राथमिक उपचार (थ्पतेज ।पक) पर कार्यशाला इत्यादि भी आयोजित किये गये थे। विभाग द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से उपरोक्त प्रोत्साहन सप्ताह में सभी गतिविधियां और प्रतियोगिताएं पूर्णत: हिंदी में आयोजित की गयीं।

सुरक्षा प्रोत्साहन सप्ताह का समापन समारोह मुख्य महाप्रबंधक टी. के. कृष्ण कुमार के मुख्य आतिथ्य एवं महाप्रबंधक प्रभारी एस. के. अग्रवाल के विशिष्ट आतिथ्य में दिनांक 21 सितम्बर 2024 को संपन्न हुआ। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं दूरसंचार विभाग के उत्कृष्ट सुरक्षा कार्मिक और उत्कृष्ट सुरक्षा ठेका श्रमिकों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक एच. आर. सिरमौर के मार्गदर्शन में समस्त कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक संदीप यादव व गिरिराज देशमुख द्वारा किया गया एवं उपप्रबंधक शिव कुमार देवांगन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बीएसपी के 'स्वच्छता ही सेवा-2024' अभियान में शामिल हुए ग्रीन हीरो ऑफ इंडिया डॉ. आर के नायर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा, 24 सितंबर 2024 को सेक्टर-2 स्थित, भिलाई विद्यालय में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्रीन हीरो ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध डॉ आर के नायर उपस्थित थे।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा भारत सरकार के 'स्वच्छता ही सेवा-2024' अभियान के तहत, बीएसपी के संयंत्र परिसर के साथ-साथ टाउनशिप, स्कूल एवं बीएसपी के अन्य विभागों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत, एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के साथ महाप्रबंधक शिखा दुबे, प्रिंसिपल सुमिता सरकार, प्रिंसिपल विजय पवार, शिक्षा विभाग की रूबी बर्मन रॉय मंचासीन थीं। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में, वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कामड़े, उप-प्रबंधक अशोक सिंह सहित शिक्षा विभाग के शिक्षकगण, कर्मचारीगण और विद्यार्थी भारी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि हीरो ऑफइंडिया डॉ आर के नायर ने सभी विद्यार्थियों को देश का भविष्य सम्बोधित करते हुए, उनके साथ पर्यावरण, प्रकृति प्रेम, बायो डाइवर्सिटी, इको सिस्टम, संरक्षित और विलुप्त हो रहे पशु-पक्षी के जीवन में वृक्षों का महत्व साझा किया। उन्होंने यहाँ तक के अपने सफर के बारे में बताया कि अब तक वे भारत के 12 राज्यों में 20 लाख पेड़ों के साथ 121 वन बना चुके हैं। उन्होंने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम की सार्थकता हेतु आवश्यक प्रयास पर प्रकाश डाला। उन्होंने हमारी जन्म देने वाली माँ और सभी का भरण पोषण करने वाली धरती माँ को एक बताते हुए सभी उपस्थित जनों से कम से कम 2 पेड़ लगाये जाने का आग्रह किया। डॉ आर के नायर ने बताया कि उन्होंने मियावाकी नामक जापानी पद्धति का उपयोग करते हुए इन जंगलों को उगाया है। डॉ नायर ने 40 दिनों में 40 किस्मों के 40,000 पेड़ों से पुलवामा हमले के शहीदों के लिए एक जंगल बनाया है। उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा पर्यावरण की दिशा में की गई पहल की सराहना की और बीएसपी प्रबंधन से जुड़े समस्त व्यक्तियों को धन्यवाद दिया। महाप्रबंधक शिखा दुबे ने डॉ आर के नायर के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और बीएसपी स्कूलों द्वारा पर्यावरणीय पहलों जैसे इको क्लब, वृक्षारोपण आदि के बारे में मुख्य अतिथि को अवगत कराया।

छत्तीसगढ़ चेम्बर की भिलाई इकाई पूरे प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा प्रदेश स्तर पर सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा मंगलवार को रायपुर में गर्व से गौरव की ओर कार्यक्रम का आयोजन कर प्रदेश की सभी इकाईयो का सम्मान किया। इस दौरान भिलाई इकाई को पूरे प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ इकाई के रूप में सम्मानित किया गया। भिलाई चेंबर के अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र को इस उपलब्धि के लिए शॉल, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

बता दें छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज में रायपुर के बाद भिलाई चेंबर द्वारा सर्वश्रेष्ठ कार्य किया है। सब से ज्यादा आजीवन सदस्य बनाने से लेकर व्यापारियों हित में सर्वाधिक कार्यशालाएं आयोजित करना, व्यापारियों की सबसे ज्यादा समस्यओं का हल करना, शासन प्रशासन के साथ समन्वय आदि कई कारणों की वजह से भिलाई चेम्बर को सर्वश्रेष्ठ चेम्बर इकाई घोषित किया गया। भिलाई इकाई-सर्वश्रेष्ठ इकाई का सम्मान भिलाई चेम्बर अध्यक्ष श्री गारगी शंकर मिश्रा जी के नेतृत्व में भिलाई के पदाधिकारियों ने यह सम्मान प्राप्त किया।

सम्मान में एक स्मृति चिन्ह व शॉल पहनाकर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र व भिलाई टीम का सम्मान किया गया। यह सम्मान चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी व महामंत्री अजय भसीन व कोषाध्यक्ष उत्तम चंद गोलछा के द्वारा दिया गया। इस मौके पर भिलाई चेंबर के अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा ने कहा कि यह सम्मान भिलाई के लिए गौरव की बात है। श्रेय समस्त पदाधिकारीयों को व एक एक व्यापारी को समर्पित है। यह सम्मान हमारे ऊर्जावान महामंत्री अजय भसीन को समर्पित है जिन्होंने अपना दिन रात एक एक व्यापारियों के नाम समर्पित किया है।

कार्यक्रम के दौरान महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि भिलाई चेम्बर-सर्वश्रेष्ठ इकाई का सम्मान कुशल नेतृत्व का परिणाम है। अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र के नेतृत्व में भिलाई चेम्बर द्वारा विभिन्न कार्यशालएं, शासन प्रशासन के साथ समन्वय के साथ बाजारों को आदर्श बाजार बनाने जैसे कार्य गारगी शंकर मिश्र के नेतृत्व में सम्पन्न हुए। यह सम्मान अध्यक्ष को समर्पित है।

इस सम्मान समारोह में मुख्य रूप से राकेश मल्होत्रा, शंकर सचदेव, चिन्ना राव, राजेश शर्मा, मनोहर कृष्णानी, हिमांचल साहू, भोलानाथ सेठ, राजकुमार जायसवाल, अब्बास भाई, देवेंद्र बारहा सहित अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन आयोजित करेगा युवक-युवती परिचय सम्मेलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छत्तीसगढ़ एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छत्तीसगढ़ द्वारा 1 दिसम्बर को श्री दूधाधारी सत्संग भवन में युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने संगठन के प्रमुख पदाधिकारी बिलासपुर प्रवास पर गये, वहां विप्र प्रतिनिधियों ने उनका बड़ी आत्मीयता से स्वागत किया।

प्रदेश अध्यक्ष अरविंद ओझा, कार्यक्रम संयोजक एवं संभागीय अध्यक्ष नितिन कुमार झा, सलाहकार एवं सम्पादक रज्जन अग्निहोत्री, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती नमिता शर्मा, संभागीय सचिव सतीश शर्मा सर्वप्रथम बिलासपुर के लोखण्डी स्थित कान्यकुब्ज ब्राम्हण समाज के नवनिर्मित आशीर्वाद भवन प्रात: 11 बजे पहुंचकर वहां

स्थित भगवान श्री परशुराम जी प्रतिमा की आरती में शामिल हुए. तत्पश्चात बैठक में शामिल होकर कार्यक्रम की रुपरेखा के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि परिचय सम्मेलन हेतु युवक-युवतियों के प्राप्त बॉयोडाटा को पत्रिका मिलन-2024 में प्रकाशित कर उस दिन विमोचन पश्चात वितरित किया जायेगी।कान्यकुब्ज ब्राह्मण विकास मंच छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष बी.के. पाण्डेय, आदित्य त्रिपाठी, कमलेश मिश्र, करुणाशंकर अवस्थी, लक्ष्मीकान्त दीक्षित, सुरेन्द्र तिवारी, सुदेश दुबे सहित अन्य ने परिचय सम्मेलन हेतु किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करने की बात कही। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने प्रांगण में संगठन के नाम पर पौधारोपण भी किया।

इसके पश्चात वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के पदाधिकारी जिला अध्यक्ष रेखेन्द्र तिवारी के टिकरापारा स्थित निवास पहुंचे। यहां विप्र प्रतिनिधियों ने पुष्प गुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। बैठक में प्रत्येक पदाधिकारियों ने अपने विचार रखते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने की बात कही। उपस्थित सभी विप्र जनों ने परिचय सम्मेलन को समाज की आवश्यकता बताते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करने की बात कही। आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री सह प्रदेश प्रभारी रेखेंन्द्र तिवारी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राकेश तिवारी, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शोभा त्रिपाठी, पूर्व विधायक चंद्रप्रकाश वाजपेई, कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के संरक्षक रामप्रसाद शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष बी.के. पांडे, कोषाध्यक्ष प्रभात मिश्रा, सरयूपारिणी समाज के अध्यक्ष रमेश मिश्रा, सचिव कृष्ण कुमार द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार रखे. बैठक में प्रमुख रूप से सुदेश दुबे साथी, सूर्यकांत पांडे, आकाश पाठक, श्यामसुंदर तिवारी, प्रदीप बाजपेई, पं. करुणा शंकर अवस्थी, तेलुगु ब्राह्मण समाज से राधाकृष्ण, डॉ. श्रीमती रीता बाजपेई, श्रीमती दीपिका पांडे, श्रीमती दिव्या चतुर्वेदी, श्रीमती संगीता शर्मा, श्रीमती विमलेश तिवारी, श्रीमती प्रभा तिवारी, देवयानी तिवारी, अक्षत तिवारी, प्रशांत शर्मा आदि उपस्थित थे।

खास खबर...

धमूधाम से मनाया अग्रसेन जयंती वरिष्ठजनों का किया सम्मान

रायपुर। अशोका रत्न वीआईपी स्टेट कॉलोनी के मंदिर प्रांगण में अग्रसेन जयंती मनाया गया। इस दौरान 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग अग्रबंधुओं का मुख्य अतिथि एडिशनल डीजीआई विनोद अग्रवाल ने सम्मान किया। इसके अलावा 90 प्रतिशत से अधिक नंबर लाने वाले प्रतिभावान बच्चों का भी सम्मान किया गया।

प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल व सयोजिका ममता गर्ग ने बताया कि समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए अशोका रत्न वीआईपी स्टेट कॉलोनी के मंदिर प्रांगण में अग्रसेन जयंती के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बच्चो के लिए हेड पेंटिंग, किड्स फैंसी ड्रेस, किड्स डांस, श्लोक उच्चारण, गेम्स एवं एक्टिविटी प्रतियोगिता रखी गई। महिला मंडल के द्वारा टूटिया की ठिठौली, फायर लेस कुकिंग, मिलिट कुकिंग, हल्दी फंक्शन की ज्वेलरी, अनमोल रिस्तो को कैसे सम्हाले प्रतियोगिता हुई। सह सयोजिका वंदना अग्रवाल के द्वारा ग्रुप डांस किया गया। अयोध्या में राम भगवान के आगमन पर महिला मंडल द्वारा भक्ति मय नृत्य प्रस्तुत किया गया, राम आयेंगे तो दीप में जलाऊंगी दिवाली में मनाऊंगी गाने पर महिलाएं अपने आप को थिरकने से रोक नहीं सकी।

ज्योति अग्रवाल ने बताया कि इसी के साथ 90 प्रतिशत से अधिक नंबर लाने वाले प्रतिभावान बच्चो का सम्मान किया गया। इसके साथ ही 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग अग्रबुधओं जिसमें सयोजिका ममता गर्ग, सह सयोजिका वंदना अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, उपाध्यक्ष संगीता मित्तल, प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल, मोहल्ला समिति के सयोजक अजय अग्रवाल, सहसयोजक अनूप अग्रवाल, युवा मंडल के संयोजक शुभम चौधरी, सह संयोजक आदित्य जैन, युवती मंडल से संयोजक नियति अग्रवाल, सहसंयोजक चार्मी अग्रवाल शामिल थे जिसका सम्मान किया गया।

हज 2025 के आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया की, हज कमेटी ऑफ़इंडिया मुंबई से प्राप्त सूचना अनुसार हज 2025 के लिए ऑनलाइन हज आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 सितंबर 2024 को आगे बढ़ाया जाकर अब 30 सितंबर 2024 रात्रि 11.59 बजे तक निर्धारित किया गया है। हज आवेदकों के पास अब 30 सितंबर 2024 या उससे पूर्व जारी किया हुआ एवं 15 जनवरी 2026 तक की वैधता युक्त पासपोर्ट होना लाज़मी है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-4266646 पर संपर्क किया जा सकता है।

महाराजबंध तालाब, आमानाका वेंडिंग जोन के कार्य को तेजी से पूरा करने दिए निर्देश

पुरैना तालाब को और आकर्षक बनाएगा रायपुर स्मार्ट सिटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत पुरैना तालाब का सौंदर्यीकरण कर इसे आकर्षक स्वरूप में विकसित किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के प्रबंध संचालक अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर रायपुर स्मार्ट सिटी के मुख्य परिचालन अधिकारी उज्जवल पोरवाल सहित नगर निगम के जोनल व तकनीकी अधिकारियों ने पुरैना तालाब का निरीक्षण किया एवं शीघ्र कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान अधिकारियों ने कारी तालाब, महाराजबंध तालाब, आमानाका वेंडिंग जोन, डीडी नगर में चल रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण भ्रमण के दौरान मुख्य परिचालन अधिकारी श्री पोरवाल ने जोन व स्मार्ट सिटी टीम को महाराजबंध तालाब में गंदगी की सफाई सतत रूप से किए जाने एवं तालाब के पेरीफेरल पाथवे को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन एस.टी.पी. के संबंध में निर्माण एजेंसी द्वारा अवगत कराया गया कि सिविल कार्य पूरा किया जा चुका है एवं इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कार्य शुरू किया जा रहा है। अक्टूबर अंत तक इस एसटीपी निर्माण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। निरीक्षण भ्रमण के दौरान नगर निगम जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा, स्मार्ट सिटी के महाप्रबंधक (तकनीकी) श्री पी.के. पंचायती, डिप्टी मैनेजर श्री अंशुल शर्मा, सब इंजीनियर श्री अंकुर अग्रवाल, असिस्टेंट मैनेजर श्रीमती नेहा पटेल, श्री योगेन्द्र साहू उपस्थित थे।

रायपुर स्मार्ट सिटी का अंडर ग्राउंड केबलिंग प्रोजेक्ट हुआ पूरा

शहर के व्यस्ततम व घनी आबादी के क्षेत्रों को इलेक्ट्रिक के खुले तारों से निज़ात दिलाने रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा संचालित अंडर ग्राउंड केबलिंग प्रोजेक्ट पूरा हो चुका है। सीएसपीडीसीएल के साथ मिलकर रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 7 प्रमुख मार्गों से ओव्हर हेड तारों को हटाकर अंडर ग्राउंड केबलिंग का कार्य किया है।

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक अबिनाश मिश्रा के अनुसार घनी बस्तियों में ओव्हर हेड तारों का जाल एक बड़ी समस्या थी। इससे जहां बिजली चोरी की शिकायतें आम थी, वहीं इन तारों की वजह से दुर्घटनाओं की आशंका बनीं रहती थी। खुले तारों से शहर के मार्गों की सुंदरता भी प्रभावित होती थी। इसे देखते हुए रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने पुरानी बसाहट के क्षेत्रों को चिन्हित कर 7 मार्गों में बिजली के तारों को अंडर ग्राउंड करने का कार्य किया। सीएसपीडीसीएल के सहयोग से बूढ़ेश्वर मंदिर से पुरानी बस्ती, लाखे नगर से आमापारा, मालवीय रोड पर बिजली के तारों को भूमिगत किया गया है। इसी तरह रायपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा मालवीय रोड-ओ.सी.एम. चौक-दरगाह, मालवीय रोड-जयस्तंभ-फाफाडीह, कालीबाड़ी-बिजली ऑफिस चौक-नगर निगम मुख्यालय मार्ग में केबल अंडर ग्राउंड किए गए है। उन्होंने बताया कि अंडर ग्राउंड केबलिंग कार्य के पूर्ण हो जाने से बिजली चोरी की शिकायतें दूर होंगी और ओव्हर हेड बिजली के तारों की वजह से होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा।

इसी तरह आमानाका वेंडिंग जोन में टॉयलेट ब्लॉक और लाइटिंग कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, साथ ही डीडी नगर क्षेत्र में सौंदर्यीकरण कार्य के तहत डिवाइडर ग्रिल, म्यूरल आर्ट और पाथवे का काम भी जल्द पूरा करने के लिए कहा गया है। कारी तालाब के निरीक्षण के दौरान क्षतिग्रस्त पेवर को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

संजय नगर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, लोगों ने उठाया लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरयूपारिण ब्राह्मण समाज द्वारा तुलसी भवन संजय नगर में स्वास्थ शिविर, सुरक्षा एवं केवायसी मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक पुरंदर मिश्रा एवं अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष डॉ सुरेश शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार रामवतार तिवारी ने की। समाज के प्रवक्ता संजय तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम के आरंभ में विधायक पुरंदर मिश्रा का स्वागत कैलाश तिवारी, आरएल द्विवेदी, संजय तिवारी द्वारा एवं युवाओं की ओर से बैजनाथ मिश्रा, अंकुश शुक्ला, शिवम त्रिपाठी संजय मिश्रा ने किया।

अपने संबोधन में पुरंदर मिश्रा ने सबको भगवान जगन्नाथ का कार्यकर्ता बनने की सलाह देते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ अपने कार्यकर्ताओं की गलतियों को माफ कर देते है, उन्होंने समाज के लिए सात दिन चौबीस घंटे उपलब्ध होने हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। विशेष अतिथि के रूप में ऊपस्थित वरिष्ठ पत्रकार रामावतार तिवारी ने समाज के युवाओं को समाजहित में कार्य करने की बात कही।

समाज के अध्यक्ष डॉ सुरेश शुक्ला ने विधायक मिश्रा को समाज में किये कार्यों व भवन विस्तार से अवगत कराया। विधायक ने स्वास्थ शिविर का शुभारंभ करते हुए डा.पीयूष भार्गव, डा. देवेश द्विवेदी डा.महामाया प्रताप, डा ओ ईश्वरचंद से अपना शुगर, बीपी जांच करा कर स्वास्थ शिविर का शुभारंभ किया। तिवारी ने बताया कि 173 लोगों का नि:शुल्क स्वास्थ परीक्षण कर उपचार किया गया। समाज की ओर से महिला एवं बच्चों के लिए सुरक्षा टिप्स विजयकांत शर्मा द्वारा दिया गया। इन्होंने 47 महिलाओं, बच्चों को मार्गदर्शन देते हुए मोबाइल, कड़ा, चूड़ी, हेयर क्लिप से खुद के रक्षा की जानकारी दी।

स्कूल में चलाया स्वच्छता अभियान

रायपुर। भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ रायपुर के भारत स्काउट एवं गाइड़ रोवर रेंजर के बच्चों ने स्वच्छता अभियान पखवाडा के अंतर्गत अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल न्यू राजेन्द्र नगर बजाज कालोनी रायपुर में अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जी स्वामी, जिला मुख्य आयुक्त श्री डॉ सुरेश शुक्ला ने निरीक्षण कर स्काउट एवं गाइड रोवर रेंजर के बच्चों के साथ मिलकर स्वयं श्रमदान किया। जिला सचिव मृत्युन्जय शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

वरिष्ठ रंगकर्मी विजय मिश्रा के व्यंग्य संग्रह कल्लू कुकर के पावर विमोचित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीस छटा साहित्य कला परिषद के बैनर तले वरिष्ठ रंगकर्मी साहित्यकार विजय मिश्रा अमित के व्यंग्य संग्रह- कल्लू कुकुर के पावर- का विमोचन हुआ। तैंतीस व्यंग के माध्यम से सामाजिक रीति रिवाजों ,पर्वों में बढ़ती विकृतियां, अंधविश्वास के मकडज़ाल और बनावटी दुनिया में जी रहे जन मन पर करारा व्यंग्य किया गया है।

समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ व्यंगकार रामेश्वर वैष्णव ने कहा कि केवल निजी भड़ास, आक्रोश व्यंग नहीं है। निर्मल हृदय का व्यक्ति ही हास्य लिख सकता है। इसी क्रम में समारोह के अध्यक्ष वरिष्ठ भाषाविद डॉ चितरंजन कर ने कहा संवेदनशील व्यक्ति ही साहित्य सृजन कर सकता है। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार गिरीश पंकज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में गद्य से अधिक पद्य लिखा जा रहा है। ऐसे दौर में अमित की किताब -कल्लू कुकुर के पावर-एक नया विश्वास जगाती है। डॉ. सुरेश देशमुख,डॉ. सुधीर शर्मा, प्रेस क्लब के महासचिव डॉ. वैभव शिव पांडे ने कहा छत्तीसगढ़ कला संस्कृति के संग साहित्य का भी गढ़ है। कल्लू कुकुर के पावर छत्तीसगढ़ी व्यंग विधा में नवाचार का ताजा उदाहरण है।

समारोह का रोचक संचालन विकास शर्मा ने किया। समारोह में कलम मितान सम्मान से वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार गुलाल वर्मा, दीनदयाल साहू सहित उमेश मिश्रा, जाबिर कुरैशी,गोविंद पटेल, अनामिका नेताम, प्रसन्न दुबे, सारिका साहू, छबिलाल साहू विकास शर्मा को विभूषित किया गया।अतिथियों का स्वागत छत्तीसगढ़ी पारम्परिक पकवान से सुसज्जित बांस डलिया से किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में कला साहित्य बिरादरी की उपस्थिति रही।

निगम कर्मियों ने किया गौमाता का प्राथमिक इलाज

रायपुर। निगम ने बनियापारा से गोपियापारा मार्ग पर अचानक अस्वस्थ होकर बैठी गौमाता का त्वरित प्राथमिक उपचार सड़क पर करके पशु चिकित्सालय समुचित उपचार हेतु भिजवाया। नगर पालिक निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा द्वारा प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेकर दिए गए आदेशानुसार एवं नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 5 के तहत महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड नम्बर 43 गोपी दास मंदिर के समीप बनियापारा से गोपियापारा जाने वाले सड़क मार्ग पर अचानक अस्वस्थ होकर बैठी गौमाता का सम्बंधित स्थल पर तत्काल पहुंचकर त्वरित प्राथमिक उपचार किया गया एवं गौ माता को त्वरित समुचित उपचार दिलवाने तत्काल काऊ कैचर वाहन एवं विशेष टीम के श्रमवीरों की सहायता से शासकीय पशु चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां पशु .चिकित्सक ने अस्वस्थ गौ माता का तत्काल उपचार किया।

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में तैराकी स्पर्धा का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय द्वारा पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय के तत्वावधान में अंतर महाविद्यालय तैराकी महिला /पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन यूनियन क्लब रायपुर में आयोजित किया गया जिसमें मनोज साहू, हेमकुमार निषाद, नेहा धावी, स्वप्निल व रितु सार्वा प्रथम रही। मुख्य अतिथि के रुप में शासि निकाय के अध्यक्ष अजय तिवारी, सचिव डॉक्टर शोभा खंडेलवाल, महंत कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी, छत्तीसगढ़ कॉलेज के रूपेंद्र सिंह चौहान उपस्थित थे।

इस अवसर पर अजय तिवारी ने सभी महाविद्यालय से आए प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जब आप अपना एक लक्ष्य रखते हैं तो नि: संदेश आपको सफलता जरूर मिलती है। विभिन्न महाविद्यालय से लगभग 30 पुरुष व 20 महिला प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डिग्री गर्ल्स कॉलेज के कोच कनिष्क, कॉलेज से अनुपम कुमार सिंह महंत, विवेकानंद कॉलेज से विजय शर्मा, प्यारेलाल साहू, शासकीय महाविद्यालय से तोरण लाल साहू, धरसीवा महाविद्यालय से राकेश कुमार, शासकीय पीजी महाविद्यालय भाटापारा से शुभम यादव एवं वरुण पांडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम डॉ रिंकू पांडे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

100 मीटर पुरुष में मनोज साहू, यू.टी.डी. प्रथम व नवदीप, यू.टी.डी. द्वितीय, मंज 2 में हेमकुमार निषाद, श्यामाचरण शुक्ला महाविद्यालय धरसींवा प्रथम व धरेष गुप्ता, नेताजी सुभाष महाविद्यालय, अभनपुर द्वितीय। 100 मीटर महिला में नेहा धावी यू.टी.डी. प्रथम व मेघा बंजारे राधाबाई महाविद्यालय रायपुर द्वितीय, 100 ब्लैक स्टोक पुरुष में स्वप्निल, हरिशंकर महाविद्यालय प्रथम व राहुल सिन्हा श्यामाचरण शुक्ला महाविद्यालय धरसींवा द्वितीय, 100 ब्लैक स्टोक महिला में रितु सार्वा प्रथम व त्रिवेणी सोनकर डिग्री गर्ल्स कालेज द्वितीय रही।

चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर। स्वच्छता ही सेवा के है के तहत अग्रिण बैंक कार्यालय के प्रबंधक सिराज हाईट द्वारा स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें क्लास 1 से लेकर क्लास 10वीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन में अग्रिम बैंक के प्रबंधक सिराज हाईट ने बच्चों को स्वच्छता के महत्व को बताया एवं स्वच्छता ही सेवा के भाव को अपने जीवन के दिनचर्याओं में उतारने के लिए प्रेरित किया। बच्चों ने भी इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं सुंदर-सुंदर कलाकृति बनाये। उत्कृष्ट कलाकृति को अग्रिण बैंक कार्यालय द्वारा पुरिस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में अग्रिण बैंक के प्रबंधक सिराज हाईट, स्टाफ निमेश कुमार, हरीश कुमार पंड्या, विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती जोली साहू, वरिष्ट व्याख्याता श्रीमती सुजाता भटाचार्य एवं विभिन्न शिक्षकगण उपस्थिति थे।

लापता लेडीज की ऑस्कर 2025 में एंट्री, बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज कैटेगरी में सेलेक्ट हुई फिल्म

किरण राव की कॉमेडी ड्रामा लापता लेडीज की 97वें ऑस्कर अवॉर्ड्स में एंट्री हो चुकी है। फिल्म को बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज कैटेगरी के लिए चुना गया है। इस फिल्म का निर्देशन किरण राव ने किया है और आमिर खान इसके को-प्रोड्यूसर हैं। यह फिल्म इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन ने अहम रोल प्ले किया है। हाल ही में किरण राव ने कहा था कि यह उनका सपना है कि लापता लेडीज ऑस्कर में जाए। जिसके बाद फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य चेन्नई में इकट्ठे हुए और घोषणा की कि वे 97वें अकादमी पुरस्कारों में भारत की ऑफिशियल एंट्री के रूप में लापता लेडीज को भेज रहे हैं।

आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म लापता लेडीज से धोबी घाट के बाद किरण राव ने निर्देशन में वापसी की है। सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले, फिल्म को 2023 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। इसे फेस्टिवल में मौजूद दर्शकों से स्टैंडिंग ओवेशन मिला। 95वें अकादमी पुरस्कार भारत के लिए बहुत खास थे क्योंकि एसएस राजामौली की आरआरआर के गाने नाटू नाटू ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग के लिए अकादमी पुरस्कार जीता। डॉक्यूमेंट्री सेक्शन में भी भारत ने बाजी मारी, जिसमें द एलीफेंट व्हिस्परर्स ने सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री (शॉर्ट) जीती। शौनक सेन की ऑल दैट ब्रीथ्स को भी बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फीचर के लिए नॉमिनेशन मिला लेकिन यह नहीं जीत पाई।

लापता लेडीज की कहानी दो दुल्हनों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी ट्रेन यात्रा के दौरान अदला-बदली हो जाती है। उतार-चढ़ाव से भरी यह यात्रा तब शुरू होती है, जब उनके पति असली दुल्हन की तलाश शुरू करते हैं। कॉमेडी के तड़के के साथ फिल्म एक सोशल मैसेज भी छोड़ती है जो दर्शकों का दिल छु जाता है। रिलीज के बाद से फिल्म ने चारों तरफ से तारीफें बटोरीं हैं और अब इसकी ऑस्कर में एंट्री देश के लिए गर्व की बात है।

एक्ट्रेस शहनाज गिल की अदाओं ने सोशल मीडिया पर फैंस के उड़ाए होश

टीवी की मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर कुछ बेहद ही हॉट और स्टाइलिश तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में शहनाज व्हाइट ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं और उनका ये अवतार फैंस को काफी पसंद आ रहा है। शहनाज गिल ने अपने इस फोटोशूट में लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने कुछ ऐसे पोज दिए हैं जो उनके फैंस को दीवाना बना रहे हैं।

शहनाज का ये स्टाइलिश लुक सोशल मीडिया पर छाया हुआ है और उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इन तस्वीरों में शहनाज गिल का अभी तक का सबसे हसीन लुक देखने को मिल रहा है। जिसे देख उनके फैंस भी दंग रह गए हैं। शहनाज ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के लिए व्हाइट कलर की शॉर्ट्स ड्रेस पहनी हुई है। जिसके साथ उन्होंने एक रेड लॉन्ग दुपट्टा ओढ़ा है। हर तस्वीर में शहनाज का एक अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। फोटोज में एक्ट्रेस बेबाकी से अपने टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। शहनाज ने अपने ये सिजलिंग लुक खुले गीलों बालों, ग्लोसी मेकअप और गले में मैचिंग नेकलेस पहनकर पूरा किया है। इसके अलावा शहनाज ने हाथ में कुछ स्टाइलिश कड़े भी पहने हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में हार्ट वाली इमोजी बनाई है।

शहनाज गिल की इन तस्वीरों को उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। फैंस इन तस्वीरों पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और शहनाज की खूबसूरती की तारीफ कर रहे हैं। कुछ फैंस ने तो उन्हें सबसे स्टाइलिश अभिनेत्री तक कह दिया है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो शहनाज गिल आखिरी बार भूमि पेडनेकर के साथ 'थैंक्यू फॉर कमिंग' में नजर आई थी। अब जल्द ही वो वरुण शर्मा के साथ 'सब फर्स्ट क्लास' में दिखने वाली हैं।

राम गोपाल वर्मा की फिल्म साड़ी का पहला सिंगल आई वांट लव लिरिकल वीडियो सॉन्ग रिलीज

पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संगीत तैयार!

रामगोपाल वर्मा की नवीनतम फिल्म सारी की टैगलाइन टू मच लव कैन बी स्केरी है और यह नवंबर में तेलुगु, हिंदी, तमिल और मलयालम भाषाओं में पैन इंडिया फिल्म के रूप में रिलीज होगी। गिरि कृष्ण कमल के निर्देशन में, इस फिल्म का निर्माण एआरवी आरवी प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रसिद्ध व्यवसायी रवि वर्मा द्वारा किया जा रहा है।

राम गोपाल वर्मा ने कहा: मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं और मेरे साथी रवि वर्मा आरजीवी डेन म्यूजिक लॉन्च कर रहे हैं, जिसमें केवल हमारे सहयोग से एआई एप्स द्वारा तैयार किया गया संगीत होगा। एआई म्यूजिक का पहला प्रयोग हमारी नई फीचर फिल्म सारी में किया गया है। दूसरे शब्दों में, सारी का पूरा संगीत जिसमें इसका बैकग्राउंड स्कोर भी शामिल है, एआई द्वारा तैयार किया गया है, जो सारी को एआई द्वारा तैयार किए गए संगीत का उपयोग करने वाली पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म बनाता है।

एआई ऐप्स के विपरीत, मानव संगीतकार अक्सर समय सीमा को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं, संगीतकारों को शेड्यूलिंग संघर्षों का सामना करना पड़ता है और गीतकार गीत के सार को पकड़ने में विफल हो सकते हैं और गायक भी अपने स्वयं के मुद्दों के साथ आते हैं। ये रचनात्मक प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं और संगीत निर्माण को समय लेने वाला और महंगा बना देते हैं।

इस नई एआई तकनीक को अपनाने से, अब मैं अपने विज़न के अनुरूप संगीत बनाने के लिए स्वतंत्र हूँ। एआई म्यूजिक में सबसे बड़ा गेम चेंजर यह है कि यह संगीत को लोकतांत्रिक बनाता है और इसे आम लोगों के हाथों में देता है। पहले के विपरीत, जहाँ केवल संगीत उद्योग के लोग ही संगीत बना सकते थे, अब ड्राइवर से लेकर खेत मजदूर, नर्स, कॉलेज के छात्र से लेकर स्कूली बच्चे तक अपनी पसंद के हिसाब से संगीत बना सकते हैं।

कुछ लोग तर्क दे सकते हैं कि एआई ऐप्स अच्छा संगीत नहीं बनाएँगे, लेकिन अच्छा संगीत व्यक्तिगत पसंद का मामला है और जो एक के लिए अच्छा है, वह दूसरे के लिए अच्छा नहीं हो सकता। यह समझने की ज़रूरत है कि एआई का उद्देश्य ऐप का उद्देश्य उस व्यक्तिगत उपयोगकर्ता को संतुष्ट करना है जो इसे प्रेरित कर रहा है..क्या कोई विशेष गीत लोकप्रिय होगा या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्तिगत उपयोगकर्ता का स्वाद कई लोगों को पसंद आएगा या नहीं, जो मानव निर्मित संगीत के मामले में भी लगभग वैसा ही है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि आने वाले दिनों में एआई संगीत ऐप दुनिया भर में लाखों कंप्यूटर जनित संगीत, गीत, गायन आवाज़ और संगीत शैलियों की बाढ़ लाकर गायकों, गीतकारों, संगीतकारों और संगीतकारों के करियर को खत्म कर देंगे। युवा लोगों के लिए संगीत उद्योग में अपना करियर बनाना मूर्खता होगी क्योंकि कोई भी इंसान एआई संगीत का मुकाबला नहीं कर सकता। हर नई तकनीक मौजूदा सिस्टम को मिटा देगी और हाँ, करियर भी खत्म हो जाएँगे, लेकिन सामाजिक उन्नति इसी के बारे में है। कार ने घोड़े की गाड़ियों को मिटा दिया, स्ट्रीमिंग सेवाओं ने डीवीडी को मिटा दिया, ईमेल ने डाक मेल को मिटा दिया और कौन जानता है कि भविष्य में एआई को क्या मिटा देगा।

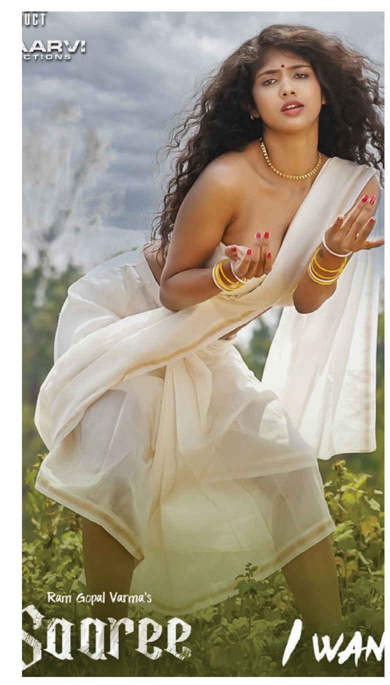

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है प्रून का जूस

हमारे शरीर को कई तरह के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है, जिन्हें हम अलग-अलग तरह के जूस के जरिए हासिल कर सकते हैं। इन्हीं पौष्टिक जूस में से एक है प्रून का जूस, जिसे सूखे हुए आलूबुखारे से बनाया जाता है। इससे बने जूस को कब्ज के इलाज के लिए बेहद प्रभावी माना जाता है और यह हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। डाइट में प्रून का जूस शामिल करके आपको ये 5 मुख्य लाभ मिलेंगे।

कब्ज से दिलाता है निजात

कब्ज की समस्या के इलाज के लिए बच्चों और बड़ों दोनों को प्रून का जूस पीना चाहिए। यह एक तरह का लैक्सेटिव होता है, जो पाचन क्रिया को सुधार सकता है। इस जूस के सेवन से मल त्याग में आसानी होती है और पेट में होने वाली ऐंठन से छुटकारा मिल जाता है। प्रून के जूस में सोर्बिटोल, पेक्टिन और पॉलीफेनोल नामक तत्व होते हैं, जिनकी मदद से पेट साफ हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को करता है मजबूत

अगर आप अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाना चाहते हैं तो आज ही खान-पान में प्रून का जूस शामिल करें। इसमें मौजूद विटामिन-सी के कारण यह जूस प्रतिरक्षा प्रणाली को दुरुस्त करने में कामयाब हो पाता है। रोजाना यह जूस पीने से आप बीमारियों से लड़ सकेंगे और अपने शरीर को उनसे सुरक्षित भी रख सकेंगे। प्रून के जूस में पाए जाने वाला तांबा और पौधों के यौगिक भी स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं।

मिलते हैं ये प्रमुख लाभ

ब्लड प्रेशर को करता है कम

प्रून के जूस में पोटैशियम मौजूद होता है, जो शरीर के ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। एक अध्ययन में पाया गया था कि जो लोग रोज सुबह एक गिलास प्रून का जूस पीते हैं, उनमें पानी पीने वालों की तुलना में ब्लड प्रेशर का स्तर कम होता है। हालांकि, हृदय रोग या किडनी की बीमारियों से जूझ रहे लोगों को इस जूस का सेवन नहीं करना चाहिए।

हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

प्रून का खट्टा-मीठा जूस हमारी हड्डियों को प्राकृतिक तरीके से मजबूत बना सकता है। इसमें बोरोन नामक यौगिक पाया जाता है, जो ऑस्टियोपोरोसिस के इलाज में मदद कर सकता है। बता दें कि ऑस्टियोपोरोसिस एक ऐसी बीमारी है, जिसके कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं या टूट जाती हैं।कई अध्ययनों से पता चला है कि यह जूस हड्डियों के घनत्व को बनाए रखता है। जानिए ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी के कारण, लक्षण और इलाज के तरीके।

कोलेस्ट्रॉल घटाने में कारगर

धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमा होने से प्लाक बनता है, जो धमनियों की सिकुड़न का कारण बन सकता है। अगर सही समय पर इसका उपचार न किया जाए, तो यह स्थिति हार्ट फेलियर, स्ट्रोक और दिल के दौरे का कारण बन सकती है। ऐसे में आप कोलेस्ट्रॉल को जमा होने से रोकने के लिए प्रून का जूस पीएं। कई अध्ययनों से खुलासा हुआ है कि यह जूस बुरे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रभावी तरीके से कम कर सकता है।

रोज नाश्ते में खाते हैं चाय और बिस्कुट? जानिए कैसे आपके शरीर के लिए है नुकसानदेह

रोजाना सुबह उठते ही एक कप गर्मा-गर्म चाय की चुस्कियां लेने का दिल करता है। चाय के कप में बिस्कुट डुबाकर खाना सभी को पसंद होता है।हालांकि, हर दिन चाय बिस्कुट खाने की आदत स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। बिस्कुट और चाय का संयोजन हॉर्मोनल बदलाव का कारण बन सकता है और कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है।आइए जानते हैं रोजाना की डाइट में चाय और बिस्कुट खाने से क्या नुकसान होते हैं।

बढ़ता है हृदय रोग का खतरा

रोजाना चाय में बिस्कुट डुबाकर खाना हमारे दिल के स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। जानकारी के मुताबिक, बिस्कुट के एक सामान्य 25 ग्राम के पैकेट में करीब 0.4 ग्राम नमक होता है।जब आप इसे रोजाना खाते हैं तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है, जिसके कारण स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसे हृदय रोग पैदा हो सकते हैं।इसके अलावा, चाय के साथ नमक युक्त बिस्कुट खाने से आपका वजन भी बढ़ सकता है।

दांतों में हो सकता है दर्द

एक कप चाय में करीब एक या डेढ़ चम्मच चीनी इस्तेमाल होती है। वहीं, बिस्कुट के 100 ग्राम के पैकेट में करीब 2.2 ग्राम चीनी मौजूद होती है।रोजाना इतनी मात्रा में चीनी का सेवन करना आपके दांतों के स्वास्थ्य को बिगाड़ सकता है। इस आदत से आपके दांत सड़ सकते हैं या उनमें कीड़े भी लग सकते हैं।साथ ही बिस्कुट में मौजूद चीनी से एसिड का उत्पादन होता है, जो दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है।

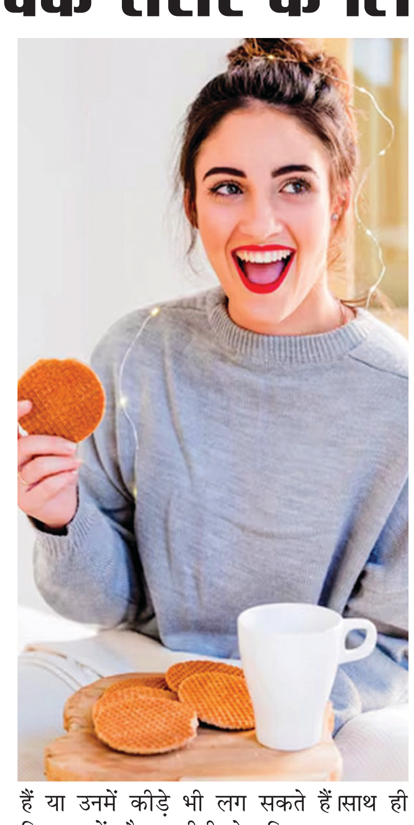

ब्लड शुगर के स्तर में आती है वृद्धि

रोजाना चाय बिस्कुट खाने वाले लोगों को मधुमेह होने का खतरा रहता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि चाय और बिस्कुट दोनों में चीनी का इस्तेमाल किया जाता है।ऐसे में हर दिन सुबह-शाम चाय बिस्कुट खाना ब्लड शुगर के स्तर में वृद्धि ला सकता है। साथ ही बिस्कुट में मौजूद नमक थायराइड और मधुमेह की बीमारियों से पीड़ित लोगों की परेशानी को बढ़ा सकता है।मधुमेह के मरीजों को ग्लूकोज कम करने के लिए ये सब्जियां खानी चाहिए।

प्रतिरक्षा प्रणाली होती है कमजोर

खान-पान में चाय समेत कोई भी अन्य चीनी युक्त पेय शामिल करना आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर बना सकता है।इसी तरह चीनी से बने मीठे बिस्कुट भी इस समस्या को बढ़ा सकते हैं। हर दिन चाय और बिस्कुट खाने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाएगी और आप बार-बार बीमार पड़ेंगे।इसके अलावा, बिस्कुट में इस्तेमाल होने वाला रिफाइंड तेल भी शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

चाय बिस्कुट की जगह करें इन चीजों का सेवन

अगर आपको चाय और बिस्कुट खाना बेहद पसंद है तो आप इसे हफ्ते में एक बार खा सकते हैं। आप अपनी दूध वाली चाय को ग्रीन टी, पुदीने की चाय या कैमोमाइल चाय जैसी किसी हर्बल चाय से बदल लें।वहीं, आप बिस्कुट की जगह पर पोहा, उपमा, सूखे मेवे या कोई स्वस्थ व्यंजन खा सकते हैं। अगर आपको कुछ ठंडा पीने का मन करे तो आप चाय की जगह नारियल पानी पी सकते हैं।

अपने जीवन में शांति व स्थिरता चाहती हैं अभिनेत्री दीक्षा

वर्तमान में धारावाहिक कैसे मुझे तुम मिल गए में इशिका के रूप में दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री दीक्षा सोनलकर ने कहा कि वह जीवन के ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां वह केवल शांति और स्थिरता की चाहत रखती है।

दीक्षा ने इस पर बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैं अपने जीवन के उस चरण में पहुंच गई हूं जहां मैं शांति और स्थिरता के लिए तरसती हूं। मुझे हर सुबह उठना और काम पर जाना बहुत पसंद है। शो कैसे मुझे तुम मिल गए ने हमेशा दर्शकों को प्रासंगिक कहानियां दी हैं। हमारे शो ने घरेलू हिंसा, पॉक्सो, तलाक आदि जैसे मुद्दों को उठाया है, जिन्हें बहुत कम शो दिखाते हैं। हमारी कहानी कभी भी जरूरत से ज्?यादा लंबी नहीं होती। हम इन ट्रैक को एक आसान गति से आगे बढ़ाते हैं जो इसे दर्शकों के लिए और दिलचस्प बनाता है।

इशिका के किरदार पर बात करते हुए दीक्षा ने कहा, शो कैसे मुझे तुम मिल गए में इशिका एक 30 वर्षीय युवा लड़की है जो एक बड़े विवाहित व्यक्ति से प्यार करती है। उम्र के अंतर के बावजूद, वह उससे सच्चा प्यार करती है और सुनिश्चित करती है कि वह उसके लिए अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़ दे। वह एक मजबूत महिला है जो वह चाहती है उसे पाने के लिए वह किसी भी हद तक जा सकती है।

दीक्षा ने कहा, उसकी लगन और महत्वाकांक्षा मेरे लिए एक जैसी है, लेकिन इसके अलावा दोनों के व्यक्तित्व में बहुत अंतर है। इशिका जो कुछ भी करती है और कहती है, उससे उसके आस-पास के लोगों को ठेस पहुंचती है, वह मैं नहीं करूंगी।

उन्होंने आगे कहा, इस शो को अब 11 महीने हो गए हैं और मैंने बहुत अच्छा समय बिताया है। हम सभी एक बड़े परिवार की तरह उभरे हैं और ईमानदारी से हम ऐसे दृश्यों का इंतजार करते हैं, जहां हम सभी मौजूद हों। यह हर समय हमारे आसपास बहुत मजेदार और सकारात्मकता है। दीक्षा बानी-इश्क दा कलमा और महाराणा प्रताप जैसे शो का भी हिस्सा रही हैं।

पीएम श्री योजना में छत्तीसगढ़ की और 78 शालाएं

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री मोदी का जताया आभार, कहा- पीएमश्री योजना छत्तीसगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के 78 और स्कूलों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने के लिए पीएम श्री योजना में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 263 पीएमश्री स्कूल स्वीकृत किए गए थे, नई स्वीकृति मिलने से यह संख्या बढ़कर अब 341 हो गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है और इस दिशा में लगातार नए फैसले ले रहे हैं। पीएम श्री योजना के माध्यम शैक्षणिक अधोसंरचना एवं शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास निश्चित रूप से विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पीएम श्री योजना में शामिल इन स्कूलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत उत्कृष्ट विज्ञान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, व्यावसायिक लैब्स की व्यवस्था होगी, जो छत्तीसगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का भी आभार व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा पीएम श्री योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में 211 तथा तृतीय चरण में 52 और चौथे चरण में 78 शालाएं स्वीकृत की गई है। चौथे चरण में शामिल सभी 78 शालाएं कक्षा पहली से 12वीं तक की हैं। प्रथम चरण में पीएम श्री योजना के तहत स्वीकृत शालाओं को अपग्रेड किया जा चुका है, वहीं तृतीय चरण में स्वीकृत शालाओं को अपग्रेड किया जा रहा है। इन स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान और गणित के लिए अत्याधुनिक लैब्स, खेल सुविधाएं, और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में पीएम श्री योजना का शुभारंभ 19 फरवरी 2024 को केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने किया था। उन्होंने इस मौके पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर किए जा रहे प्रयासों को सराहा था। पीएम श्री के तहत प्रति स्कूल 2-2 करोड़ रूपए व्यय कर आदर्श स्कूल के रूप में विकसित करने की योजना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पीएम श्री योजना के अंतर्गत शालाओं को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है।

सीएम साय के निर्देश पर जल आवर्धन योजनाओं के लिए मिले 132 करोड़

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर वित्त विभाग द्वारा विभिन्न नगरीय निकायों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की जल आवर्धन योजनाओं के लिए 132 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। मुख्यमंत्री श्री साय की पहल पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा निर्मित की जाने वाली जल आवर्धन योजनाओं से नगरीय निकायों में जल आपूर्ति प्रणाली को सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि नागरिकों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल आवर्धन हेतु प्रस्तावित योजनाओं पर वित्त विभाग ने बलौदाबाजार जिले के भटगांव के लिए 14 करोड़ 66 लाख रुपए, सारंगढ़ के लिए 47 करोड़ 46 लाख रुपए, जांजगीर-चांपा जिले के चांपा के लिए 17 करोड़ 86 लाख रुपए और सारागांव के लिए तीन करोड़ 61 लाख रुपए, कांकेर जिले के चारामा के लिए 19 करोड़ 75 लाख रुपए, कोरबा जिले के कटघोरा के लिए 24 करोड़ 63 लाख रुपए तथा बीजापुर के लिए चार करोड़ 35 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। जल आवर्धन योजनाओं से जलापूर्ति संरचना मजबूत होने से जल की गुणवत्ता और वितरण में सुधार होने के साथ ही जल संकट को कम करने में भी मदद मिलेगी। इसके साथ ही नागरिकों का स्वास्थ्य और जीवन स्तर भी बेहतर होगा। ये नई जल आवर्धन योजनाएं जल संसाधनों की उपलब्धता को सुनिश्चित करेंगी। साथ ही स्थानीय विकास और नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होंगी।

गृहग्राम पहुंचे सीएम साय से मिलने वालों का लगा रहा तांता...

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव मंगलवार शाम जशपुर जिले में अपने गृह ग्राम बगिया के प्रवास पर पहुंचे। बगिया स्थित निवास कार्यालय में उनसे मिलने के लिए आम लोगों का ताता लगा रहा। लोग अपनी समस्याओं के निराकरण और मांगों से संबंधित आवेदन लेकर मुख्यमंत्री से मिले। इसके साथ ही लोगों ने मौखिक रूप से मुख्यमंत्री श्री साय के समक्ष अपनी मांगों और समस्याओं को रखा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी मांगों और समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और उचित कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री से मिलकर लोग काफी खुश थे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री एक अभिभावक की तरह सबकी मांगों और समस्याओं के निराकरण के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने बताया की विष्णु देव साय के मुख्यमंत्री बनने से इस क्षेत्र के विकास को गति मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय हमेशा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान करते आए हैं।

मुख्यमंत्री ने मिलने वालों से कहा कि हमारी सरकार ने मोदीजी की अधिकांश गारंटियों को पूरा कर दिया है। हमारी सरकार राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आप सब शासन की योजनाओं के संबंध में जानकारी लेकर इसका अधिक से अधिक लाभ लें।

मुख्यमंत्री ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस की दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी फार्मासिस्टों को विश्व फार्मासिस्ट दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। वे दवाओं को उपलब्ध कराने, विभिन्न रोगों से निपटने के लिए नई दवाओं के विकास में योगदान देने के साथ दवाओं के कड़े गुणवत्ता नियंत्रण को भी सुनिश्चित करते हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व फार्मासिस्ट दिवस हर साल 25 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय फ़ार्मास्युटिकल फेडरेशन की स्थापना की याद में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य समाज में फार्मासिस्टों की अहम भूमिका को उजागर करना और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में उनके योगदान को बढ़ावा देना है। यह फार्मासिस्टों के अथक समर्पण और विशेषज्ञता को याद करने का दिन है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर सीएम साय ने किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एकात्म मानववाद के प्रवर्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 25 सितंबर को जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक ऐसे युगदृष्टा थे, जिनके विचारों व सिद्धांतों ने देश को एक प्रगतिशील विचारधारा देने का काम किया। श्री साय ने कहा कि उनकी विचारधारा राष्ट्र के पुनर्निर्माण और भारत के गौरव को पुनः स्थापित करने के लिए थी। उन्होंने समावेशी और जन समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में आजीवन काम किया। उनका मानना था कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास नहीं होता, तब तक समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। इस विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के चलते उनके जन्मदिन को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन भारतीय समाज में गरीबों और वंचितों के उत्थान के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

वर्ल्ड रिकार्डधारी लिटिल योगगुरू ने सीएम साय से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से यहाँ उनके निवास कार्यालय में बाल पर्यावरण मित्र और लिटिल योगा चैम्पियन आदित्य राजे सिंह ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने आदित्य को उनके जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने योग और पर्यावरण के क्षेत्र में सबसे कम उम्र के पीएचडी धारक के रूप में छत्तीसगढ़ के आदित्य राजे का नाम गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होने पर प्रमाण पत्र भी प्रदान किया और इस उपलब्धि की सराहना की। आदित्य ने इस खास मौके पर मुख्यमंत्री को पौधा भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री को आदित्य ने पर्यावरण, योग, खेल, समाजिक विकास जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे रचनात्मक कार्यों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आदित्य को इतनी कम उम्र में इन उपलब्धियों पर शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर आदित्य के पिता अखिलेश सिंह ने मुख्यमंत्री से चर्चा में बताया कि नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ़इण्डिया में पर्यावरण और योग के क्षेत्र में मैरीलैंड स्टेट युनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा पीएचडी की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया गया है। उन्होंने बताया कि आदित्य महज 5 वर्ष की उम्र से पर्यावरण, योग और जन-जागरूकता के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पुरस्कारों से भी नवाजा गया है। आदित्य आयुष मंत्रालय द्वारा प्रमाणित योग स्वयंसेवक भी हैं। वे अपने कोडिंग कौशल के माध्यम से पर्यावरण संबंधित एप पर भी काम कर रहे हैं। मुलाक़ात के दौरान संजय श्रीवास्तव, आदित्य के दादा कमलापति सिंह, माँ श्रीमती नम्रता सिंह, बहन आस्था सिंह, गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की प्रतिनिधि श्रीमती सोनल शर्मा भी मौजूद रहीं।

850 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के पहल पर शुरू की गई श्री रामलला दर्शन योजना के तहत चलाई जा रही विशेष ट्रेन रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-07 से रवाना हुई। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया।

इस विशेष ट्रेन से 850 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस यात्रा से श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। श्रद्धालुगण भगवान राम का जय-जयकार करते हुए अयोध्या धाम के लिए निकले। ट्रेन में श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए भक्तिमय माहौल में श्री रामलला के दर्शन को रवाना हुए। इस दौरान खाद्यमंत्री दयालदास बघेल, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सर्वश्री अनुज शर्मा, इंद्रकुमार साहू, गजेन्द्र यादव, प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड विवेक आचार्या, सीईओ जिला पंचायत रायपुर, रेलवे एवं पर्यटन के अधिकारी-कर्मचारी सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

रामलला दर्शन के लिए जाने वाले दर्शनार्थियों ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्री रामलला दर्शन के लिए योजना की शुरूआत की है। इसके लिए मुख्यमंत्री का बहुत-बहुत धन्यवाद। अयोध्या के दर्शन हम जैसे लोगों के लिए असंभव था, लेकिन मुख्यमंत्री की पहल पर आज हमें अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन संभव हो पा रहा है। आज अयोध्या के लिए रवाना हो रहे है और हमें बहुत खुशी हो रही है। अयोध्या में श्री रामलला के भव्य और सुंदर मंदिर बनाया गया है। श्री रामलला के दर्शन के लिए यात्रा से बहुत खुशी हो रही है।

यात्रा के दौरान हम सभी को काशी विश्वनाथ जी के दर्शन का लाभ भी प्राप्त होगा। यात्रा को लेकर यात्रियों में उत्साह का माहौल देखा गया। विशेष ट्रेन 24 सितबर को रायपुर संभाग के समस्त जिला के 850 यात्रियों को लेकर रायपुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। यात्रा के दौरान यात्रियों को वाराणसी में काशी विश्वनाथ के दर्शन का लाभ भी मिलेगा।

गंगरेल में जल-जगार महोत्सव 5 से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने आगामी 5 एवं 6 अक्टूबर को धमतरी जिले के रविशंकर सागर बांध गंगरेल में जल एवं पर्यावरण संरक्षण के तहत आयोजित जल-जगार कार्यक्रम के लिए जिले एवं प्रदेश के सभी लोगों को सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। जल-जगार कार्यक्रम के तहत मैराथन दौड़, नवरात्रि मेला, कॉर्निवॉल, रूद्राभिषेक, इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेंस, कबाड़ से जुगाड़, मानव वन में एडवेंचर सहित अनेक गतिविधियां होंगी।

हाफ मैराथन तीन श्रेणियों में आयोजित होगा, इसमें गंगरेल हाफ मैराथन, एन्डुरन्स रन और वॉकेथॉन शामिल है। हाफ मैराथन में हिस्सा लेने के इच्छुक लोग वेबसाइट में जाकर क्यू.आर. कोड स्कैन कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं और इस संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को पुरस्कार मिलेगा। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 25 सितम्बर है।

गौरतलब है कि गंगरेल हाफ मैराथन के तहत 21.1 किलोमीटर का मैराथन सुबह 5.30 बजे से होगा। इसमें 18 से 29 वर्ष, 30 से 49 वर्ष तक की आयु वर्ग तथा 50 वर्ष से अधिक आयु के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें प्रथम पुरस्कार 10 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार 7500 रूपए तथा तृतीय पुरस्कार 5 हजार रूपए है। इसी तरह एन्डुरन्स रन के तहत 10 किलोमीटर का मैराथन सुबह 6.15 बजे से आयोजित होगा। इसमें 15 से 29 वर्ष, 30 से 49 वर्ष तक की आयु तथा 50 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इसमें प्रथम पुरस्कार 6 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार 3 हजार रूपए और तृतीय पुरस्कार 2 हजार रूपए रखा गया है। इसके साथ ही पारिवारिक मनोरंजन के लिए वॉकेथॉन के तहत 5 किलोमीटर का मैराथन सुबह 6.30 बजे से होगा। इसमें पुरूष और महिला दोनों श्रेणियों के लिए अलग-अलग पुरस्कार प्रदाय किए जाएंगे।

जो डटा रहता है, वही परचम लहराता है- अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव बिलासपुर में 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विजेता टीमों और खिलाड़ियों को ट्रॉफियां प्रदान की। बिलासपुर के पुलिस ग्राउंड में विगत 21 सितम्बर से राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि श्री साव ने खेल झंडा उतारकर प्रतियोगिता के समापन की घोषणा की।

राज्य की पांचों संभागों की भागीदारी वाली इस प्रतियोगिता में बिलासपुर ओवरऑल चैंपियन रहा। बिल्हा के विधायक धरमलाल कौशिक, बेलतरा के विधायक सुशांत शुक्ला और बिलासपुर जिला पंचायत के अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान भी विशिष्ट अतिथि के रूप में समापन समारोह में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकने में सक्षम खिलाड़ी छत्तीसगढ़ में हैं। खिलाड़ी कभी हारता नहीं है... या तो वह जीतता है या सीखता है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'खेलो इंडिया' के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहित करने का काम कर रहे हैं। खेल के मैदान में पसीना बहाने से मान, सम्मान, धन, दौलत, शोहरत सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने स्कूली खिलाड़ियों से कहा कि आप आगे भी इसी तरह लगन के साथ खेलते रहें और अपना, अपने परिवार का, विद्यालय का और प्रदेश का नाम रोशन करें। हर परिस्थिति में जो डटा रहता है, अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत करते रहता है, वही आगे जाकर उपलब्धि का परचम लहराता है। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह में विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान धान का कटोरा के रूप में पहले से है। इसके बाद यदि किसी क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की पहचान बने, तो हम चाहते हैं कि वह खेलों के क्षेत्र में बने। हमारे प्रदेश का नाम यदि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के क्षेत्र में रोशन हो तो जरूरी है कि नींव मजबूत हो और यह आयोजन उसी नींव को मजबूत करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। पहले हमारे बड़े हमसे कहते थे कि पढ़ोगे-लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे तो होगे खराब। लेकिन अब आप पढ़कर नवाब तो बनेंगे ही, आप खेलकर नवाब और उससे आगे भी जा सकते हैं। समापन समारोह में खिलाड़ियों के सम्मान में स्कूली छात्राओं द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

खास खबर

सर्पदंश से महिला की मौत, कलेक्टर ने मंजूर की सहायता राशि

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की पहल पर सर्पदंश से हुई मौत के प्रकरण में राजस्व विभाग द्वारा पीडित परिवार को आरसीबी 6-4 के तहत 4 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। इस सहायता को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

मंदिरहसौद थाना क्षेत्र स्थित फार्म हाउस नंबर 3 सेरीखेडी निवासी 27 वर्षीय स्व.श्रीमती सरोज धीवर की मृत्य संर्पदंश से हो गई थी। परिजनों ने बताया कि 3 जुलाई की सुबह 4 बजे के करीब श्रीमती धीवर को सांप ने काटा जिसके बाद उनको उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां डाक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजनों ने उक्त घटना की जानकारी मंदिरहसौद थाने को दी। जहां मर्ग कायम कर लिया गया। मृतक की पति ने श्री छविराम धीवर ने मुआवजे के लिए आवेदन किया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने पीड़ित परिवार को सहायता देने के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी। जिसके बाद मृतिका के पति को 23 सिंतबर 24 को आरसीबी 6-4 के तहत 4 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान कर दी गई।

वहीं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने तालाब में डूबने से हुई मौत के प्रकरण में राजस्व विभाग द्वारा पीडित परिवार को आरसीबी 6-4 के तहत 4 लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान की गई। जिले के खरोरा तहसील के ग्राम बेलदार सिवनी निवासी 47 वर्षीय स्व. वेद प्रकाश वर्मा 1 मार्च की रात को खाना खाने के बाद घर से घूमने निकले थे। इसी दौरान गांव के ही बंधवा तालाब में हाथ पैर धोने के लिए गए। जहां उनका पैर फिसलने से गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। इनका शव 3 मार्च 2024 को सुबह 6 बजे मिली। जिसके बाद खरोरा थाने में इसकी सूचना दी गई। जहां मर्ग कायम किया गया। मृतक की पत्नी श्रीमती परमेश्वरी वर्मा ने मुआवजे के लिए आवेदन किया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने पीड़ित परिवार को सहायता देने के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी। जिसके बाद मृतक की पत्नी को 13 सिंतबर 2024 को आरसीबी 6-4 के तहत 4 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान कर दी गई।

फर्म के सीलबंद की कार्रवाई की गई

कांकेर। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर नीलेश महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन विमल कुमार सिंह द्वारा ठेलकाबोड कांकेर में स्थित फर्म शेख एक्का की जांच की गई। जांच के दौरान मौके पर फर्म के संचालक शेख अलीम द्वारा वायरल वीडियो के संबंध में जांच-पड़ताल की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान वीडियो में प्रदर्शित फर्म शेख एक्का का होना पाया गया। इस आधार पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के धारा 27 (3) (ख) के अन्तर्गत अस्वास्थ्यकर दशाओं में खाद्य पदार्थों का निर्माण करने के कारण प्रकरण दर्ज करते हुए मौके पर फर्म को सीलबंद की कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि संबंधित प्रकरण पर अग्रिम कार्यवाही खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार किया जाएगा।

लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में तोड़फोड़ व मारपीट करने वाले तीन बदमाश गए जेल

दो फरार आरोपियों की तलाश जारी, पर्ची कटाने के नाम पर हुआ था विवाद, स्कॉर्पियो से पहुंचे थे बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शास्त्री अस्पताल सुपेला में मंगलवार की सुबह तोड़फोड़ व मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को सुपेला पुलिस ने जेल भेज दिया है। आरोपियों ने सुपेला शास्त्री अस्पताल में वार्ड बॉय व ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मी से मारपीट की थी। यही नहीं बदमाशों ने महिला डॉक्टर से भी बदसलूकी की थी। इस मामले में शास्त्री चिकित्सालय के प्रभारी चिकित्सक पीयम सिंह की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। तीन आरोपियों को जेल भेजा गया है वहीं दो अन्य फरार हैं।

इस मामले में इस मामले में डॉ. पीयाम सिंह ने सुपेला थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि मंगलवार सुबह 6 बजे स्कॉर्पियो में सवार पांच युवक अस्पताल पहुंचे। इनमें से एक लड़के को चोट लगी हुई थी। चोटिल लड़के साथ पहुंचे अभय चौबे ने मौके पर मौजूद वार्ड बॉय अंशू चौहान से कहा कि उसके साथी का इलाज करे। वार्ड बॉय ने 23 नंबर काउंटर से पर्ची कटाकर लाने कहा। इतना सुनते ही अभय चौबे तैश में आ गया और वार्ड ब्वाय से गाली गलौज करना शुरू कर दी। इस पर वार्डब्वाय ने ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मी संगम को बुलाया। संगम ने उन लोगों को समझाने का प्रयास किया तो उससे भी गाली गलौज शुरू कर दी।

डॉ पीयम सिंह ने बताया इसके बाद पुलिस कर्मी सुपेला पुलिस को सूचना देने पहुंचा तो पीछे से यह बदमाश भी पहुंच गए। पुलिस कर्मी के चेंबर में घुसकर तोड़फोड़ की और उससे मारपीट की। इसके बाद पूरा अस्पताल स्टॉफ पहुंचा और मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। आवाज सुनकर पहुंची महिला डॉक्टर से भी बदसलूकी की गई। बदमाशों द्वारा शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाते हुए गाली गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हुए शासकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया है। मारपीट करने से ड्यूटी मे तैनात शासकीय कर्मचारियों को चोटें आयी है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इस मामले एसपी जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर आरोपियों की धरपकड़ शुरू की गई। सुपेला पुलिस ने आरोपी अभय चौबे, गौतम सिंह एवं सागर पटेल को सुबह अस्पताल के पास से ही हिरासत में लिया। वहीं अन्य साथी गिनिश साहू एवं हरीश तारक उर्फ मुन्ना फरार हैं। पुलिस ने अभय चौबे, गौतम सिंह एवं सागर पटेल को जेल भेज दिया। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक राजेश मिश्रा, उप निरीक्षक मनीष बाजपेयी, प्रधान आरक्षक प्रकाशचन्द्र तिवारी, मनीष अग्निहोत्री, आरक्षक अजीत सिंह, रमेश जायसवाल का विशेष योगदान रहा।

डॉक्टर लेखराम ने असमाजिक तत्वों से परेशान हो लिखा कलेक्टर को पत्र

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिला स्थित सामुहिक स्वास्थ्य केन्द्र अर्जुंदा में पदस्थ डॉक्टर लेखराम कोसरे ने कलेक्टर को लिखित रूप से आवेदन देकर लाइसेंसी पिस्टल की मांग ही है। मिली जानकारी के अनुसार सामुहिक स्वास्थ्य केन्द्र अर्जुंदा में पदस्थ डॉक्टर लेखराम कोसरे यहां की असमाजिक तत्वों से परेशान होकर कलेक्टर को आवेदन दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक कुछ दिन पूर्व डॉक्टर लेखराम कोसरे और स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ के साथ 3 युवकों ने अस्पताल में मारपीट की थी। इसके बाद यहां के स्वास्थ कर्मियों ने धरना प्रदर्शन भी किया था। इस मामले आरोपी युवकों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की थी, जिस पर कार्यवाई करते हुए पुलिस की टीम ने तीनों आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। ऐसे में अब अपनी सुरक्षा के लेकर चिंतित डॉक्टर ने जिला कलेक्टर से लाइसेंसी पिस्टल की मांग कर दी है।

कलेक्टर के नाम पर फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट से ठगी का प्रयास

सुकमा। जिले में साइबर अपराध का एक नया मामला सामने आया है, जहां अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सुकमा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के नाम पर फर्जी व्हाट्सएप आईडी बनाकर लोगों से पैसे की मांग की जा रही है। यह धोखाधड़ी व्हाट्सएप के माध्यम से की जा रही है, जिसमें अपराधी कलेक्टर के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर लोगों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं। कलेक्टर ने जिले की जनता से अपील की है कि वे इस तरह की धोखाधड़ी से सतर्क रहें और किसी भी अनजान नंबर, जैसे 70114-93190 से आए संदेशों पर भरोसा न करें। उन्होंने साफ किया है कि कलेक्टर कार्यालय द्वारा किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता या धनराशि मांगने के लिए कोई संदेश नहीं भेजे जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को इस प्रकार के फर्जी संदेश मिलते हैं, तो वे तुरंत स्थानीय पुलिस या साइबर सेल को सूचित करें। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया है कि इस साइबर अपराध में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सतर्कता ही सुरक्षा है, का संदेश देते हुए कलेक्टर ने जिले के नागरिकों को जागरूक रहने की सलाह दी है, ताकि साइबर अपराधियों के मंसूबों को विफल किया जा सके।

मां की हत्या करने वाले पुत्र को आजीवन कारावास

कोरबा। बस्ती में निवासरत मीरा उरांव के पति की मौत के बाद वह अपने दो बेटे के साथ रहती थी। बताया जा रहा हैं की बड़ा बेटा पास्को एक्ट के मामले में जेल में निरूद्ध होने पर छोटा बेटा मनोज घर पर था। वह, मां के शराब पीने की लत से काफी परेशान था। साथ ही उसे मां के चरित्र पर भी शक था। इसी बात को लेकर दोनों के मध्य कई बार विवाद भी होता था।

रायपुर मरीन ड्राइव में सरगुजा कलेक्ट्रेट के ड्राइवर की हत्या, पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव में सोमवार तड़के हुई सरगुजा कलेक्ट्रेट के ड्राइवर की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की घटना के बाद आरोपी भागने की फिराक में थे। पुलिस ने रास्तों की सीसी टीवी फुटेज खंगाली तो आरोपियों की पहचान हो गई। पुलिस ने इस मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तीनों बदमाशों को पुलिस ने जेल भेज दिया है।

बता दें अंबिकापुर निवासी ईश्वर राजवाड़े सरगुजा कलेक्ट्रेट में ड्राइवर का काम करता था। 22 सितंबर को वह ट्राइबल डेवलमेंट के स्ठह्र को लेकर रायपुर पहुंचा था। तेलीबांधा तालाब के पास उसने अपनी गाड़ी लगाई थी। इस बीच सोमवार तड़के तीन बदमाश स्कूटी में वहां पहुंचे। उन्होंने ईश्वर से नशे के लिए 50 रुपये देने की मांग की। ईश्वर ने पैसे देने से मना किया तो वे उसका मोबाइल लूटने लगे। इसे लेकर विवाद हुआ और बदमाशों ने चाकू से ईश्वर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया और फरार हो गए। घटना के समय ईश्वर की मदद करने वाला कोई नहीं था और ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद तेलीबांधा पुलिस ने मामला दर्ज किया और पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश में अलग अलग टीमों को रवाना किया। इस बीच पुलिस ने घटना स्थल के आसपास कई सीसी टीवी फुटेज चेक किए। फुटेज में बदमाशों का सुराग मिला। आरोपी भागने की फिराक में थे लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें मोवा पंडरी इलाके में दबोच लिया गया। पुलिस ने इस मामले में गांधीनगर निवासी रोहित बघेल, सूरज उर्फखिड़की व हरीश बघेल को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में पेश कर जेल भेज दिया है।

शादी का झांसा देकर छात्रा से दुष्कर्म, जंगल में छिपा था बदमाश, पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पढ़ाई के लिए शहर के पीजी में रहने वाली एक छात्रा से शादी का झांसा देकर एक युवक ने दुष्कर्म किया। छात्रा से वह लगातार दुष्कर्म करता रहा और जब शादी का दबाव बढ़ा तो छोड़कर भाग गया। इस मामले में युवती की शिकायत पर थाना भिलाई भट्ठी में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। लंबी तलाश के बाद पुलिस को आरोपी का सुराग मिला। शहर से दूरे कांकेर के जंगलों में वह अपने मामा के घर पर रह रहा था। भिलाई भट्ठी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दरअसल युवती 2023 में पढ़ाई करने भिलाई आई थी। वह भिलाई भट्ठी थाना क्षेत्र में पीजी में रहकर पढ़ाई कर रही थी। इस बीच युवती का परिचयर फेसबुक के माध्यम से दिनेश कुमार मंडावी से हुई। दिनेश ग्राम बेलरगोंडी थाना डौडी जिला बालोद का रहने वाला है। दोनों के बीच संपर्क दोस्ती में बदला और इसके बाद दिनेश ने युवती के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। इस दौरान दिनेश मंडावी ने खुद को काफी संपन्न बताया था। युवती दिनेश मंडावी के झांसे में आ गई। शादी का प्रलोभन देकर दिनेश मंडावी लगातार युवती का शारीरिक शोषण करने लगा।

इस बीच युवती ने दिनेश मंडावी पर शादी करने का दबाव बनाया। शादी का दबाव बनाने पर दिनेश मंडावी सारे संपर्क तोड़कर भाग गया। जिस मोबाइल नंबर में युवती की दिनेश से बात होती थी उसे भी उसने बंद कर दिया। इस तरह दिनेश मंडावी ने शादी का प्रलोभन देकर युवती का दैहिक शोषण किया। युवती की शिकायत पर पुलिस द्वारा लगातार उसकी तलाश की गई। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पा रहा था। लगातार पतासाजी के दौरान पुलिस को सफलता मिली और आरोपी का सुराग मिला।

दुष्कर्म का आरोपी दिनेश मंडावी अपनी पहचान को छिपाकर कांकेर के जंगलों में स्थित अपने मामा के गांव में रह रहा था। पुलिस भी वहां ठेकेदार एवं सुपरवाइजर के रूप में पहुंची और आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक राजेश साहू, एएसआई प्रमोद सिंह, आरक्षक बालेन्द्र द्विवेदी, युगल देवांगन आदि की उल्लेखनीय भूमिका रही।

पटाखा गोदाम में लगी आग, मची अफरा-तफरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। तोरवा थाना क्षेत्र के जगमल चौक के पास स्थित एक पटाखा गोदाम में मंगलवार सुबह 9.30 बजे भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटों के साथ पटाखों में लगातार धमाकों से लोग दहशत में आ गए। दमकल विभाग की कई गाडियां आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं, लेकिन गोदाम में भारी मात्रा में पटाखों के कारण आग बुझाने में दिक्कत आ रही है। समाचार लिखे जाने तक आग पर काबू नहीं पाया गया था।

गोदाम में लगी आग इतनी तीव्र रही कि दमकल कर्मियों को गोदाम की दीवारें जेसीबी मशीन से तोडनी पड़ीं, ताकि अंदर फंसे पटाखों को बाहर निकाला जा सके। आग के कारण पूरा इलाका धुआं-धुआं हो गया और प्रशासन ने आसपास के इलाकों को तुरंत खाली करवा दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक आग लगने के कारणों की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। जिला प्रशासन ने घटना की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए हैं।

पटाखा गोदाम और दुकान के मालिक सोनू सतलेचा और संदीप सतलेचा का कहना है कि उनके पास लाइसेंस है, लेकिन स्थानीय लोग इस पर सवाल उठा रहे हैं कि प्रशासन ने इतने संवेदनशील इलाके में लाइसेंस कैसे जारी किया। इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों में प्रशासन के प्रति नाराजगी है।

असामाजिक तत्वों पर चला पुलिस का डंडा

बिलासपुर। शराब दुकानों से कुछ दूरी पर एवं रिवर व्यू पर असामाजिक तत्वों की मौजूदगी की सूचना पर पुलिस अधीक्षक रजनीश सिंह के निर्देश पर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप के योजना अनुसार सी एस पी सिविल लाइन उमेश गुप्ता IPS द्वारा थाना प्रभारी हम हमराह स्टाफ़ के साथ संपूर्ण सिविल लाइन एवं सिरगिट्टी क्षेत्र में पैदल गश्त किया गया।

उक्त गश्त एवं चेकिंग के दौरान लगभग 30 व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई दोनों थानों में मिलाकर की गई है। शराब दुकानों के आस पास अचानक से दबिश देकर असामाजिक तत्वों को भगाया गया है और हाथों में सख्त हिदायत दी गई है कि किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि या नशाखोरी के सख़्त से सख़्त कार्यवाही की जाएगी। उक्त कार्यवाही में अक्षय प्रमोद साबद्र IPS, थाना प्रभारी सिविल लाइन प्रदीप आर्य, थाना प्रभारी सिर गिट्टी विजय चौधरी एवं उपनिरीक्षक अमृत साहू सहायक उपनिरीक्षक ध्रुव, आरक्षक केशव मार्को, तथा अन्य आरक्षक सकारात्मक रूप से सक्रिय रहे।

एक रात में ही चोरों ने तीन शोरूम में की सेंधमारी, लाखों रुपए कैश लेकर फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। चोरों के हौसले इतने बुलंद है कि एक ही रात में तीन वाहन शोरूम में सेंधमारी की। शहर के गीदम रोड़ स्थित महिंद्रा शोरूम, मारुति शोरूम व टोयोटा शोरूम में चोरी हुई। चोरों ने इन तीनों शोरूम से लाखों रुपए कैश पार कर दिया। बताया जा रहा है कि तीनों शोरूम की रखवाली के लिए यहां गार्ड तैनात थे इसके बाद भी चोर आसानी से अपना काम कर गए। घटना की जानकारी सुबह लगी, जब शोरूम के कर्मचारी आये, इसके बाद पुलिस को सूचना दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार शहर के गीदम रोड़ पर महिंद्रा शोरूम, मारुति शोरूम व टोयोटा शोरूम चोरी हो गई। तीनों ही शोरूम फोर व्हीलर की सेल करते हैं। बीती रात शोरूम बंद होने के बाद चोरों ने धावा बोला। बताया जा रहा है इस दौरान यहां काम करने वाले गार्ड सो रहे थे। चोरों ने अपना काम किया और चलते बने। चोर बड़ी आसानी से शोरूम के अंदर घुसे गल्ले में रखा कैश लेकर फरार हो गए। चोरों ने इस घटना को इतनी आसानी से अंजाम दिया कि वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों को भनक तक नही लगी।

मेनगेट खुला था और गार्ड सो रहे थे

जब यह घटना घटी तब शोरूम का मेन गेट खुला हुआ था और गार्ड आराम फरमा रहे थे। चोर आराम से शोरूम घुसे तो गार्ड को भी पता नहीं चला। कुछ ही देर में चोरी की घटना को अंजाम देकर चोर फरार हो गए। तीनों शोरूम से लगभग 7 लाख रुपए कैश चोरी हुआ है। एसडीओपी विश्वदीपक त्रिपाठी ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद शोरूम के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। चोरो का गुट बाहरी लग रहा है। फिलहाल चोरों की तलाश की जा रही है।

घटना की जानकारी सुबह कर्मचारियों के आने पर लगी और इसके बाद हंगामा मच गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शोरूम के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला है, जिसमें चोर चोरी करते स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं। सीसी टीवी फुटेज से पता चलता है कि चोरों ने पहले शोरूम की रेकी है। क्योंकि अंदर घुसने के बाद सीधे सीधे कैश रखे रूम में गए और कैश लेकर निकल गए। तीनों शोरूम चोरी का तरीका एक ही था। चोरों की संख्या 7 से 8 रही है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

छत्तीसगढ़ शासन

विष्णु के सुशासन से
सँवर रहा छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री आवास योजना

15.18 लाख

से अधिक गरीब परिवारों को नि:शुल्क आवास

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें ...

श्री विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-41498/1

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950